RNI-MPHIN/2018/75526
वर्ष-08 | अंक-273 | पृष्ठ 08 | मूल्य 02/-
दैनिक कालप्रिया
सच वही जो दिखे...
भोपाल, गुरूवार 9 जुलाई 2026
Email.kalpriyanews72@gmail.co
आषाढ़ कृष्ण पक्ष-9-10, विक्रम संवत् 2083
पेज-6



मोदी इंडोनेशिया के सबसे बड़े प्रम्बानन हिंदू मंदिर पहुंचे-बोले-

# हमेशा शिव से जुड़ने का सौभाग्य मिला

**जकार्ता।** पीएम मोदी बुधवार को इंडोनेशिया के योग्याकार्ता स्थित देश के सबसे बड़े हिंदू मंदिर प्रम्बानन पहुंचे। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भी उनके साथ गए। दोनों ने मंदिर के संरक्षण-जीर्णोद्धार परियोजना का उद्घाटन किया। पीएम ने मंदिर में दर्शन भी किए।उन्होंने मंदिर परिसर में अपने संबोधन में कहा- मुझे किसी न किसी रूप में हमेशा भगवान शिव से जुड़ने का मौका मिला है। सोमनाथ, काशी विश्वनाथ, केदारनाथ धाम और उज्जैन के महाकाल मंदिर के बाद प्रम्बानन मंदिर के विकास का मौका मिलना मेरा सौभाग्य है। पीएम मोदी के इंडोनेशिया से ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न के लिए रवाना हो गए हैं। वे 8 से 10 जुलाई तक ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रहेंगे। उन्हें पांच इंडोनेशियाई फाइटर जेट ने एस्कॉर्ट किया।

### जीर्णोद्धार पूरा होने पर फिर इंडोनेशिया आऊंगा

पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया के किसी भी कोने में चले जाइए, वहां भारत की सांस्कृतिक विरासत की झलक जरूर मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रम्बानन दक्षिण-पूर्व एशिया में भारतीय विरासत की दूसरी सबसे बड़ी पहचान है। यहां भगवान शिव, मां दुर्गा और भगवान गणेश की प्रतिमाएं हैं और सदियों से पूजा होती आ रही है। पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति प्रबोवो ने उनसे 2029 तक मंदिर के जीर्णोद्धार का काम पूरा करने का वादा लिया है और वह भी वादा करते हैं कि जीर्णोद्धार पूरा होने के बाद दोबारा इंडोनेशिया आकर इसका जश्न मनाएंगे। उन्होंने इंडोनेशिया के लोगों और शासकों का इस सांस्कृतिक विरासत को सहेजकर रखने के लिए आभार भी जताया।

### भगवान शिव से जुड़ने का सौभाग्य हमेशा मिला

पीएम ने प्रम्बानन मंदिर के संरक्षण-जीर्णोद्धार परियोजना का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा- मेरा सौभाग्य रहा है कि किसी न किसी रूप में मुझे हमेशा भगवान शिव से जुड़ने का अवसर मिला। उन्होंने कहा- मेरा जन्म वडनगर में हुआ, जहां हाटकेश्वर महादेव का प्रसिद्ध मंदिर है। गुजरात में मुझे सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के विकास की जिम्मेदारी मिली। मेरी राजनीतिक कर्मभूमि काशी है, जहां काशी विश्वनाथ का आशीर्वाद हमेशा मिला।

# रिटायर्ड एआरटीओ के घर 13 किलो सोना,9 किलो चांदी मिली

**लखनऊ।** यूपी में रिटायर्ड सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ललित कुमार के लखनऊ स्थित घर पर विजिलेंस ने छापा मारा। करीब 26 घंटे चली छापेमारी में ललित कुमार के लखनऊ आवास से 13 किलो सोना, 9 किलो चांदी और हीरे के आभूषण बरामद किए हैं। जिनकी कीमत 20 करोड रुपए आंकी गई है। तलाशी के दौरान टीम को करीब 1.62 करोड़ रुपए कैश भी मिला, जो उसने पैकेटों में दीवार और अलग-अलग कमरों में छिपाकर रखे थे। 15 जगहों पर मकान, फ्लैट और खेती की जमीनों के दस्तावेज भी मिले हैं। विजिलेंस ने बरामद संपत्ति की कुल कीमत करीब 35 करोड़ रुपए बताई है।

### आगरा में तैनाती के समय केस दर्ज हुआ था

आरोपी ललित कुमार मूल रूप से रायबरेली में सेंगहो कोठी के रहने वाले हैं। विजिलेंस विभाग के अनुसार, ललित कुमार के खिलाफ 2024 में कानपुर में तैनाती के दौरान करप्शन की शिकायत की गई थी। उस वक्त वह आरटीओ ऑफिस में संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) यानी रीजनल इंस्पेक्टर टेक्निकल थे। शिकायत के आधार पर ट्रांसपोर्ट कमिश्नर ने 11 सितंबर, 2020 को भ्रष्टाचार निवारण संगठन को जांच की अनुमति दी। इसके बाद उनके आय और संपत्ति के स्रोतों की विस्तृत जांच शुरू की गई।

**विजिलेंस के छापे में हीरे भी मिले; दीवारों-पैकटों में छिपाया था 1.62 करोड़ कैश**

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी

# नहीं दिखाई गई इस्तीफे की कॉपी

**अयोध्या।** श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में महासचिव चंपत राय के इस्तीफे को लेकर नया विवाद सामने आ गया है। ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास ने दावा किया है कि वह चंपत राय का इस्तीफा नहीं लेना चाहते थे। उन्होंने कहा कि केवल वही नहीं, बल्कि ट्रस्ट के अधिकतर सदस्य भी चंपत राय का इस्तीफा स्वीकार करने के पक्ष में नहीं थे। महंत दिनेंद्र दास ने आरोप लगाया कि चंपत राय का इस्तीफा ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी ने लिया और पूरे घटनाक्रम में उनकी ही प्रमुख भूमिका रही। उन्होंने कहा कि बैठक में चंपत राय की ओर से सौंपे गए इस्तीफे की प्रति भी सार्वजनिक नहीं की गई, जिससे पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

### मंदिर नहीं पहुंचे चंपत, अनिल और गोपाल राव

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की सोमवार को हुई बैठक में महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए, जबकि गोपाल राव को आमंत्रित सदस्य की सूची से हटा दिया गया। इसके बाद मंगलवार को तीनों ही राम मंदिर परिसर नहीं पहुंचे.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए अनेक निर्णय, सीएम बोले-

# कोई भी पात्र कर्मचारी पदोन्नति से वंचित न रहे

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी गई। बैठक से पहले मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को बताया कि लंबे समय से विवादों में रही नर्मदा नदी पर सरदार सरोवर बांध परियोजना से जुड़े वित्तीय विवाद का समाधान हो गया है। इसके तहत मध्य प्रदेश सरकार गुजरात को 217 करोड़ रुपए का भुगतान करेगी। साथ ही कर्मचारियों की पदोन्नति, आईटी पार्क, नगर वन, स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा से जुड़े कई अहम निर्णय भी लिए गए। कैबिनेट बैठक में मंत्रियों ने प्रदेश में करीब दस वर्ष बाद पदोन्नति प्रक्रिया शुरू होने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बधाई दी।

**मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में अधोसंरचनात्मक विकास और पुनर्वास कार्यों के लिये दी 2,300 करोड़ रूपये की स्वीकृति**

**राज्य डाटा सेंटर के आधुनिकीकरण, आई.टी एवं डिजास्टर रिकवरी सहित अन्य कार्यों के लिए 800 करोड़ रूपये की मंजूरी**

**विज्ञान पार्क, एकल नागरिक डाटाबेस परियोजना और बॉयो टेक्नॉलाजी पार्क की स्थापना एवं संचालन की निरंतरता के लिए 123 करोड़ की स्वीकृति**

### सरदार सरोवर परियोजना के लिए गुजरात को 217 करोड़

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरदार सरोवर बांध परियोजना की लागत को लेकर गुजरात सरकार 50 प्रतिशत राशि की मांग कर रही थी। केंद्रीय स्तर पर हुई चर्चा के बाद सहमति बनी कि परियोजना की 75 प्रतिशत लागत गुजरात सरकार वहन करेगी, जबकि शेष राशि के रूप में मध्य प्रदेश 217 करोड़ रुपये देगा।

### नमो हरित नगर योजना को स्वीकृति

कैबिनेट ने नगरीय विकास विभाग की नमो हरित नगर योजना को मंजूरी दी। इसके तहत अगले पांच वर्षों में 100 करोड़ रुपए की लागत से नगर वन विकसित किए जाएंगे। इनके रखरखाव की जिम्मेदारी भी सरकार उठाएगी।

### अनाज के ई-ऑक्शन का फैसला

समर्थन मूल्य पर खरीदे गए अनाज के संबंध में निर्णय लिया गया कि केंद्र सरकार के आवंटन के बाद बचा हुआ अनाज राज्य सरकार अपने स्तर पर ई-ऑक्शन के माध्यम से बेचेगी, ताकि लंबे समय तक भंडारण की समस्या न हो।कैबिनेट ने स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री पर पंचायत उपकर नहीं लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस उपकर का खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। इससे प्रदेश के करीब 48 लाख लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

### हर जिले में विकसित होंगे आईटी पार्क

एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने बताया कि राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के डेटा सेंटर के उन्नयन के लिए 800 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी गई है।विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से उज्जैन के निकट डोंगला स्थित खगोलीय वेधशाला के विकास कार्यों को जारी रखने के लिए 39 करोड़ रुपए के व्यय को भी मंजूरी दी गई है।

अध्ययन में खुलासा...

# किशोरियां हो रहीं मेनोपॉज की शिकार माहवारी बंद होने की उम्र घट रही

नई दिल्ली, एजेंसी

मेनोपॉज यानी महिलाओं की माहवारी बंद होने की उम्र लगातार घट रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इसे केवल 30-40 साल की महिलाओं की समस्या मानना गलत होगा। ऐसे मामले अब 13 साल तक की किशोरियों में भी सामने आने लगे हैं। किशोरियों में मेनोपॉज की बीमारी दुर्लभ भले ही हो लेकिन सही समय पर ध्यान न देने पर आगे चलकर उनकी मां बनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। यह चिंताजनक तस्वीर एक नए अध्ययन में सामने आई है, जिसमें बताया गया है कि किसी लड़की के पीरियड्स अगर बार-बार अनियमित हों या कई महीनों बंद रहें तो इसे केवल उम्र का असर मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यूनान की नेशनल एंड कपोडिस्ट्रियन यूनिवर्सिटी ऑफ एथेंस की डॉ. एलेनी आर्मेनी का रिव्यू अध्ययन कहता है।

### 55प्रतिशत तक बढ़ा हार्ट अटैक व स्ट्रोक का खतरा

अगर किसी महिला का मेनोपॉज 40 साल की उम्र से पहले हो जाता है, तो भविष्य में उसे हार्ट अटैक, स्ट्रोक और अन्य हृदय रोगों का खतरा सामान्य महिलाओं की तुलना में काफी अधिक हो सकता है। जिन महिलाओं में मेनोपॉज 50-51 वर्ष की सामान्य उम्र की बजाय 40 वर्ष से पहले हुआ, उनमें पहली बार हृदय रोग होने का खतरा 55प्रतिशत अधिक था।

नाटो समिट में ट्रम्प बोले- ईरान से सीजफायर खत्म

# अमेरिका ने ईरान के 80 ठिकानों पर हमले किए

**तेहरान।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नाटो के समिट के दौरान कहा कि ईरान के साथ हुआ सीजफायर समझौता अब खत्म हो चुका है और अब वह ईरान से कोई डील नहीं करना चाहते। ट्रम्प ने कहा, हमने पिछली रात ईरान पर जोरदार हमला किया। खतरनाक लोगों को निशाना बनाया। हर बार वे हमला करेंगे, हम जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका का लक्ष्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना है। ट्रम्प ने नाटो पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि गठबंधन ने दुनिया के सबसे बड़े आतंक समर्थक देश ईरान के खिलाफ अमेरिका का साथ नहीं दिया।

### ओमान ने बहरीन, कुवैत और होर्मुज में हमलों की निंदा की

ओमान ने बहरीन, कुवैत और होर्मुज स्ट्रेट में सऊदी अरब और कतर के दो कमर्शियल जहाजों पर हुए हमलों की निंदा की है। क्षेत्र में बढ़ता सैन्य तनाव हमारी सुरक्षा के साथ-साथ दुनिया के व्यापार और तेल आपूर्ति के लिए भी खतरा है। ओमान ने सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव नहीं बढ़ाने और फिर से बातचीत का रास्ता अपनाने की अपील की।

### ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी

अमेरिकी हमलों के बाद ईरान ने साफ कहा है कि वह किसी भी दबाव के आगे झुकने वाला नहीं है। ईरानी संसद के अध्यक्ष और अमेरिका के साथ वार्ता से जुड़े प्रमुख नेता मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने अंतरिम समझौते की कई शर्तों का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि ईरान के समुद्री प्रबंधन में दखल, दोबारा तेल प्रतिबंध लागू करना और दक्षिणी ईरान पर हमले करना समझौते की भावना के खिलाफ है। ईरान की सेना ने भी अमेरिकी कार्रवाई को खुला हमला बताते हुए कहा कि इसका करारा जवाब दिया जाएगा।

### तेल की कीमत में 6 प्रतिशत की उछाल

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ईरान के साथ रूस को खत्म बताने के बाद ब्रेंट क्रूड करीब 6 प्रतिशत बढ़कर 78 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। वहीं, यूरोपीय शेयर बाजारों में 1.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। एक्सपर्ट्स का मानना है कि निवेशकों को डर है कि अमेरिका-ईरान तनाव फिर बढ़ने पर महंगाई और ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ सकता है। ओमान ने बहरीन, कुवैत और होर्मुज स्ट्रेट में सऊदी अरब और कतर के दो कमर्शियल जहाजों पर हुए हमलों की निंदा की है। ओमान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह बहरीन और कुवैत के साथ खड़ा है।

नया प्रयोग — बड़ी टेक कंपनियां एआई को इंसानों से बात करने का सलीका सिखाएंगे, गूगल और एंथ्रोपिक ने की शुरुआत

# अब एआई को नैतिकता सिखाएंगे दर्शनशास्त्र के एक्सपर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) के तेजी से बढ़ते प्रभाव के बीच अब बड़ी टेक कंपनियां सिर्फ इंजिनियरों और वैज्ञानिकों पर निर्भर नहीं हैं। गूगल डीपमाइंड और एंथ्रोपिक जैसी कंपनियां दर्शनशास्त्र के विशेषज्ञों को भी अपनी टीम में शामिल कर रही हैं। इनकी भूमिका एआई विकसित करना नहीं, बल्कि यह तय करना है कि एआई का व्यवहार कैसा हो, वह फैसले किन मूल्यों के आधार पर ले और उससे जुड़े संभावित जोखिमों को कैसे कम किया जाए।

विशेषज्ञों का कहना है कि जैसे-जैसे एआई इंसानों की तरह बातचीत करने और फैसले लेने में सक्षम होता जा रहा है, वैसे-वैसे यह तय करना भी जरूरी हो गया है कि ऐसे सिस्टम किस तरह व्यवहार करें और भविष्य में अगर एआई और ज्यादा सक्षम हो जाए तो उसके लिए क्या नियम होने चाहिए। समाज को सही दिशा देने के लिए दार्शनिकों की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा होगी। इसी सोच के तहत डीपमाइंड ने हाल ही में फिलॉसफर पद के लिए भर्ती भी की है। डीपमाइंड में काम कर रहे दार्शनिक नैतिकता, राजनीति, विज्ञान, चेतना और पशु व्यवहार जैसे विषयों के एक्सपर्ट हैं। उनकी जिम्मेदारी इंजिनियरिंग और प्रोडक्ट टीमों के साथ मिलकर यह तय करना है कि एआई के नए फीचर लोगों पर क्या असर डाल सकते हैं और संभावित जोखिमों को कैसे कम किया जाए।

### एआई के संवेदनशील होने का प्रमाण नहीं मिला

विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल एआई के सचमुच संवेदनशील या सचेत होने का कोई ठोस वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। कई वैज्ञानिक मानते हैं कि चेतना का संबंध जैविक विकास से है और मशीनों में उसका विकसित होना आसान नहीं है। इसके बावजूद एआई की तेज प्रगति को देखते हुए कंपनियां भविष्य के संभावित जोखिमों और नैतिक चुनौतियों के लिए अभी से तैयारी कर रही हैं। यही वजह है कि एआई उद्योग में अब दर्शनशास्त्र के विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है और उन्हें तकनीकी टीमों का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जा रहा है।

### एआई की पसंद को भी परख रहे

एआई से जुड़े दार्शनिकों और शोधकर्ताओं का एक बड़ा वर्ग यह भी जांच रहा है कि क्या भविष्य में एआई किसी तरह की चेतना विकसित कर सकता है। इसी उद्देश्य से रॉबर्ट लॉन्ग ने एलियोस एआई रिसर्च नाम की गैर-लाभकारी संस्था बनाई है। यह संस्था एआई मॉडल का अध्ययन करके यह समझने की कोशिश करती है कि उनमें अपनी पसंद, आत्मविश्लेषण या स्थायी सोच जैसे गुण दिखाई देते हैं या नहीं। एलियोस ने ध्द्यड्डह्वस्रद्ग मॉडल का स्वतंत्र मूल्यांकन भी किया। शोधकर्ताओं ने एआई की पसंद-नापसंद, निर्णय लेने के तरीके और अलग-अलग परिस्थितियों में उसके व्यवहार का अध्ययन किया।

ग्रीनफील्ड निवेश में गिरावट

# भारत ने लगाई दो पायदान की छलांग निवेश 39 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

विनिर्माण क्षेत्र को आधुनिक बनाने और सर्विस सेक्टर को आगे बढ़ाने जैसी सरकार की नीतियों के दम पर भारत 2025 में दो स्थान की छलांग लगाकर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पाने वाला दुनिया का 11वां सबसे बड़ा देश बन गया है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, बीते साल देश में 38.89 अरब डॉलर का एफडीआई आया, जो 2024 के 27.09 अरब डॉलर से 44 फीसदी अधिक है। 2024 में एफडीआई पाने वाले देशों में 13वें स्थान पर था। यूनाइटेड नेशंस कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलपमेंट (अंकटाड) ने मंगलवार को जारी वर्ल्ड इन्वेस्टमेंट रिपोर्ट-2026 में कहा, इस निवेश के दम पर भारत को वह स्थिति फिर पाने में मदद मिली है, जो दो साल पहले दुनिया के शीर्ष-10 देशों की सूची से बाहर होने से खो गई थी। भारत में यह तेजी विकासशील देशों में दिखे सुस्त रुझान के विपरीत है।

### वैश्विक एफडीआई: 6 फीसदी बढ़ा

वैश्विक एफडीआई प्रवाह 2025 में 6 फीसदी बढ़कर 1.6 लाख करोड़ डॉलर पहुंच गया। शीर्ष-20 देशों में कुल वैश्विक एफडीआई का करीब 80 फीसदी विदेशी निवेश आया। विकसित अर्थव्यवस्थाओं में एफडीआई 11 फीसदी बढ़कर 723 अरब डॉलर पहुंचा। 901 अरब डॉलर का निवेश विकासशील देशों में आया।

[ मौसम ] दो घंटे में 72 मिमी बरसे बदरा, दिनभर होती रही रिमझिम बरसात

# बादलों ने किया पश्चिम की ओर रुख, अब होगी हल्की बारिश

नगर संवाददाता ■ सतना

जिले में इस साल बदरा मेहरबान नजर नहीं आ रहे हैं। मौसम विभाग द्वारा जिले में तेज बारिश का अलर्ट मंगलवार को धरा रह गया। जबकि सोमवार-मंगलवार की देर रात दो घंटे के अंदर करीब 72.7 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। वहीं मंगलवार को सुबह से रिमझिम बारिश का दौर रुक रुककर जारी रहा। सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक सतना शहर में 6.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। वहीं झाड़खंड से आया मौसिमी सिस्टम मंगलवार को पश्चिमी मध्यप्रदेश की ओर मूव कर गया जो कि यूपी के रास्ते राजस्थान की ओर निकल जायेगा। ऐसे में अब जिले में अगले कुछ दिनों तक हल्की बारिश होने की ही संभावना मौसम विभाग द्वारा जताई जा रही है।

### जिले में अब तक गत वर्ष से कम हुई वर्षा

जिले में इस वर्ष 1 जून से 7 जुलाई तक 170.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में इस सीजन गत वर्ष की तुलना में अब तक 62 मिलीमीटर के बरीब कम बारिश दर्ज की गई है। भू-अभिलेख विभाग के आंकड़ों पर गौर करें तो देखने में आता है कि विगत वर्ष अब तक जिले में 386.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई थी । सतना शहर में चालू वर्ष में अब तक महज 289.7 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई है। वहीं वर्ष 2024 में इस अवधि तक जिले में औसत वर्षा 232.5 मि.मी. वर्षा दर्ज की जा चुकी थी ।जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मि.मी. है।

### सामान्य से कम पर पहुंचा अधिकतम तापमान

सोमवार-मंगलवार की हुई बारिश के कारण तापमान लगातार गिरावट हुई है। सोमवार को अधिकतम तापमान 34.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, जिले का सामान्य अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहता है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 29.4 एवं न्यूनतम तापमान 25.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौजूदा तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है।

### बारिश पर एक नजर

| क्षेत्र | गत वर्ष | चालू वर्ष |
|---|---|---|
| रघुराजनगर | 386.5 | 289.7 |
| सोहावल | 177.0 | 194.9 |
| मझगवां | 197.5 | 125.2 |
| बिरसिंहपुर | 101.0 | 196.3 |
| रामपुर बाघेलान | 189.4 | 173.2 |
| नागौद | 365.7 | 182.8 |
| जसो | 87.2 | 41.7 |
| उचेहरा | 355.5 | 158.0 |

### इनका कहना है

कम दबाव का यह क्षेत्र वर्तमान में झारखंड के पास बना हुआ था और तेजी से पूर्वी मध्य प्रदेश की ओर बढ़ रहा था लेकिन मंगलवार को यह पश्चिमी मध्यप्रदेश की ओर मूव कर गया। जो यूपी से होता हुआ राजस्थान की ओर बए जायेगा।ऐसे में अब जिले में कुछ दिनों तक हल्की बारिश होगी।

-आरके श्रीवास्तव, मौसम विज्ञानी

## टला बड़ा हादसा : घर पर गिरा नीम का विशालकाय पेड़, कोई जनहानि नहीं

शहर के सिटी कोतवाली थाना अंतर्गत जवाहर नगर में एक बड़ा हादसा टल गया। जहां एक विशालकाय नीम का पेड़ अचानक एक रिहायशी मकान पर गिर गया। गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ और एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। जानकारी के अनुसार, मामला जवाहर नगर स्टेडियम के ठीक पीछे स्थित एक आवासीय इलाके का है। रोजाना की तरह परिवार के लोग घर के भीतर मौजूद थे, तभी अचानक एक जोरदार आवाज के साथ बरसों पुराना भारी-भरकम नीम का पेड़ जड़ से उखड़कर मकान की छत और बाउंड्री वॉल पर आ गिरा। आवाज इतनी तेज थी कि आस-पड़ोस के लोग भी सहम गए और तुरंत घरों से बाहर निकल आए। प्रत्यक्षदर्शियों और गृहस्वामी मनीष जेम्स के मुताबिक, पेड़ जिस वक्त गिरा, उस समय परिवार के सदस्य घर के दूसरे हिस्से में थे। पेड़ का मुख्य हिस्सा छत के कोने और खाली जगह पर गिरा, जिससे घर की दीवार और छत को आंशिक नुकसान जरूर पहुंचा है, लेकिन घर के अंदर मौजूद सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। स्थानीय नागरिकों ने इस घटना की सूचना नगर निगम और स्थानीय प्रशासन को दी। जिसके बाद नगर निगम की टीम मौके पर पहुंचकर विशालकाय पेड़ को हटाया।

## एकेएस में 'ग्लोबल मार्केट फोर्सेज' सतना चैप्टर का शुभारंभ

नगर संवाददाता ■ सतना

एकेएस विश्वविद्यालय, सतना के विवेकानंद सभागार में मंगलवार को 'ग्लोबल मार्केट फोर्सेज (वैश्विक बाजारवादी शक्तियां)' विषय पर आयोजित वैचारिक संगोष्ठी के साथ ग्लोबल मार्केट फोर्सेज के सतना चैप्टर का विधिवत शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में वैश्विक आर्थिक व्यवस्था, बाजारवाद के बढ़ते प्रभाव, स्वदेशी चिंतन तथा आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा पर गहन मंथन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पदाधिकारी, शिक्षाविद, प्रबुद्धजन, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का विषय प्रवेश एवं परिचय ग्लोबल मार्केट फोर्सेज के प्रांत संयोजक आलोक सिंह ने कराया। उन्होंने संगठन की कार्यप्रणाली, उद्देश्यों तथा वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में ऐसे वैचारिक विमर्शों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता कैलाश चंद्र ने वैश्विक बाजारवादी शक्तियों के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभावों का विश्लेषण करते हुए कहा कि वैश्वीकरण के वर्तमान दौर में भारत के सामने अनेक चुनौतियों के साथ नए अवसर भी उपस्थित हैं। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे राष्ट्रहित को केंद्र में रखते हुए आर्थिक नीतियों, वैश्विक व्यापार व्यवस्था और बदलते बाजार तंत्र का गंभीर अध्ययन करें, जिससे वे भविष्य के उत्तरदायी नीति-निर्माता, उद्यमी और जागरूक नागरिक बन सकें। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यवाह उत्तम बनर्जी ने भारतीय चिंतन, स्वदेशी दृष्टिकोण और आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को वर्तमान समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा के इस युग में भारत अपनी सांस्कृतिक चेतना, आत्मविश्वास और आर्थिक सामर्थ्य के आधार पर विश्व समुदाय में सशक्त भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास का भारतीय मॉडल आर्थिक प्रगति के साथ सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी समान महत्व देता है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति (विकास) डॉ. हर्षवर्धन श्रीवास्तव तथा कुलसचिव डॉ.आर.एस.त्रिपाठी, डीन एग्रीकल्चर डॉ.ए.के.भौमिक मंचासीन रहे। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन राकेश तिवारी ने किया, जबकि विश्व विद्यालय के फैकल्टी डॉ. प्रदीप चौरसिया ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त पदाधिकारी, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता की। राष्ट्रहित, स्वदेशी चिंतन, आत्मनिर्भर भारत और वैश्विक आर्थिक चुनौतियों पर सार्थक विमर्श के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

## महिला समिति स्कूल की दुकानों में घुसा पानी

शहर के स्टेशन रोड स्थित महिला समिति स्कूल की दुकानों में बारिश का पानी घुस जाने से दुकानदारों को नुकसान उठाना पड़ा। इस संबंध में दुकानदार दिलीप जैन व अशोक पिंजवानी ने बताया कि स्कूल के पीछे की नालियां जाम होने की वजह से स्कूल के मैदान में पानी भर गया। जिस वजह से पानी दीवार के सहारे दुकानों में घुस गया। दुकानदारों का कहना है कि पहली तेज बारिश में इतना पानी दुकानों में भर गया कि कभी हम लोगों ने सोचा नहीं था,हर बार ज्यादा पानी गिरने पर ही कभी कभार दुकानों में पानी आ जाता था। लेकिन रेलवे की ओर बनी नाली में साफ-सफाई नहीं होने की वजह से इस साल कम बारिश के दौरान ही दुकानों में पानी भरने लगा है। हालांकि व्यापारियों की शिकायत के बाद नगर निगम ने जेसीबी भेजकर नाली साफ कराने व पानी निकासी कराने का काम किया।

## बाजार में सड़कें धंसी, जिला अस्पताल में गिरा छत का प्लास्टर

बारिश की वजह से आमजन को भी काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। शहर के स्टेशन रोड पर सीवर लाइन डालने के लिए गड्ढा खोदा गया था ।

नगर निगम द्वारा डामर सड़क बनाकर सड़क को सही किया गया है। लेकिन गड्ढों की भरई सही ढ़ग से नहीं होने की वजह से बारिश में ये सड़कें कई जगह पवर धस रही है। लोगों की सुरक्षा के लिए स्थानीय दुकानदरों में वैकल्पिक संकेत बोर्ड लगाकर लोगों को सुरक्षित आवागमन करने की सलाह दी। वहीं दूसरी ओर जिला अस्पताल के फर्स्ट फ्लोर की ओर जाने वाले रास्ते की छत का प्लास्टर गिर गया। गनीमत यह रही घटना के दौरान कोई मरीज अथवा उसका परिजन इस छत के नीचे नहीं था अन्यथा बड़ी घटना हो सकती थी।

## मैहर में 16 जुलाई को निकलेगी भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा

■ तैयारियों को लेकर सर्व समाज की बैठक संपन्न

नगर संवाददाता ■ मैहर

भगवान श्री जगन्नाथ जी की पावन रथ यात्रा के सफल आयोजन को लेकर हिंदू पर्व समन्वय समिति के तत्वावधान में चंडी देवी मंदिर, मैहर में सर्व समाज की गरिमामयी उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भगवान श्री जगन्नाथ जी की

भव्य रथ यात्रा 16 जुलाई 2026 को बड़ा अखाड़ा, मैहर से श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली जाएगी। इस दौरान रथ यात्रा की रूपरेखा, सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं सहित जनसहभागिता को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही नगरवासियों एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर रथ यात्रा को भव्य एवं सफल बनाने का आह्वान किया गया।

बैठक में जगन्नाथ मंदिर के महाराज जी, मिथिलेश गुप्ता, अनुपम सोनी, दुर्गा गुप्ता, देवेंद्र पांडेय, प्रकाश दरियानी, सुभाष चौरसिया, विजय वर्मन, वेद प्रकाश गुप्ता, राजेश गुप्ता, कमलेश सोनी एवं हरिशचंद्र गुप्ता सहित सर्व समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे । बैठक विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र जी की गरिमा मयी उपस्थिति में संपन्न हुई।

### उपयंत्री आशुतोष को मिला अतिरिक्त प्रभार

**नागौद।** मैहर नगर पालिका में पदस्थ उप यंत्री आशुतोष तिवारी को नगर परिषद नागौद का अतिरिक्त प्रभार उपसंचालक नगरीय प्रशासन विभाग रीवा द्वारा सौपा गया है यहां पदस्थ इंजीनियर अभिषेक शर्मा का स्थानांतरण आष्टा सिहोर के लिए शान द्वारा कर दिया गया उनके बदले किसी की भी तथा पदस्थापना नहीं की गई जिससे निकाय का कार्य प्रभावित हो रहा था मंगलवार को श्री तिवारी ने अपनी आमद नगर परिषद कार्यालय में दर्ज कराई गई।

## विशेष लोक अदालत को सफल बनाने में जुटे पैरालीगल वालेण्टियर्स : इला चौधरी

■ 21, 22 व 23 अगस्त को होगी सुप्रीम कोर्ट की विशेष लोक अदालत

नगर संवाददाता ■ चित्रकूट

जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चित्रकूट शेषमणि शुक्ला के कुशल मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चित्रकूट की सचिव इला चौधरी द्वारा सोमवार को परावैधिक स्वयं सेवकों की बैठक आहूत की गयी। बैठक में सचिव इला चौधरी द्वारा आगामी 21, 22 व 23 अगस्त को आयोजित होने वाली सुप्रीम कोर्ट की विशेष लोक अदालत की जानकारी दी। उन्होंने स्वयं सेवकों को अपने-अपने क्षेत्रों में डोर-टू-डोर जनसंपर्क कर ऐसे परिवारों की पहचान करने के निर्देश दिए, जिनके मामले सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं, ताकि उन्हें आपसी सहमति से विवाद निस्तारण के लिए विशेष लोक अदालत से जोड़ा जा सके।

सचिव ने कहा कि विशेष लोक अदालत के माध्यम से बिना अतिरिक्त खर्च और लंबी न्यायिक प्रक्रिया के पुराने विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान संभव है। उन्होंने जुलाई माह में आयोजित विधिक जागरूकता शिविरों में सक्रिय भागीदारी तथा पात्र लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं की जानकारी देने के भी निर्देश दिए। बैठक में पराविधिक स्वयं सेवकों ने अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर मुन्नालाल विश्वकर्मा , श्रीमती ममता वर्मा, श्रीमती उपासना, महेन्द्र प्रताप सिंह, साकेत सैनी, राजेन्द्र सविता, सन्तोष कुमार उपस्थित रहे।

## रेस्टोरेशन की लापरवाही से बेपरवाह सीवर ठेकेदार

■ कहाँ गई खुदाई से निकली मुरुम?

नगर संवाददाता ■ मैहर

सीवर प्रोजेक्ट का कार्य प्रारम्भ हुए महीनों हो गए परन्तु अभी तक इस मामले में लापरवाही और भ्रष्टाचार के मामलों नें थमने का नाम नहीं लिया। सड़क पर सीवर ठेकेदार के जने गड्ढे कई राहगीरों को घायल और कीचड से लतपथ तो आम तौर पर लगातार कर ही रहे हैं वहीं देखा जाय तो अब इन कमियों पर चढ़ाई जा रही रेस्टोरेशन की चादर भी शहरवाशियों के लिये कम खतरनाक नहीं है।

क्योंकि इस पर युक्त वेस्ट

मटेरियल की लीपापोती की जा रही है। बड़े - बड़े पत्थरों से की जा रही यह भररेशाही आने वाले समय में ना जाने कितने हादसों का सबब बनेगी और इसका जिम्मेदार कौन होगा यह तो वक़्त बताएगा।

बहरहाल सवाल यह है कि पहला तो सीवर लाइन की खुदाई के समय निकली मुरुम कहाँ गायब हो गई, दूसरा यह कि शहर की सब से वीआईपी सड़क जिस पर जिला कलेक्टर और विधायक समेत तमाम अधिकारी व नेताओं का प्रतिदिन कई बार मूवमेंट होता है उस पर लेटलतीफी के बाद अब आखिर यह कैसी लीपापोती।

### नगर पंचायत की लापरवाही से आश्रम में घुसा पानी

**अमरपाटन।** मौसम विभाग के अलर्ट के बाद अमरपाटन सहित आसपास मानसून हुआ है अलर्ट, पिछले 12 घंटे से हो लगातार हो रही बारिश मानसून के शुरुआत में कल शाम से शुरू हुई बारिश आज सुबह तक लोगों के लिए आफत बनकर आई हैं, 12 घण्टे से हो रही लगातार बारिश से सड़कों व बस्तियों में जलभराव की स्थित हुई निर्मित पंचायत की लापरवाही के कारण पहली बरसात में ही नालियों का पानी मैहर रोड स्वामी श्री अभयनंद आश्रम के पूरे परिसर सहित कमरों में पानी भ गया। इसका कारण नालियों की चोक होना है। मैहर रोड चौराहा से पूरे नगर की गन्दगी इसी नाली से निकलती है जो आश्रम के आगे नाली में मिट्टी डालकर पूरी तरह बंद कर दिया गया है जिसके चलते पानी को निकास न मिलने के कारण आश्रम में भरता है।

## सोशल मीडिया की मुहिम लाई रंग, कई दिनों बाद परिवार से मिली बिछड़ी बुजुर्ग महिला

नगर संवाददाता ■ मैहर

सोशल मीडिया पर भटकी हुई बुजुर्ग महिला की जानकारी प्रसारित होने के महज एक दिन बाद उसका परिवार मैहर पहुंच गया और अपनी माता को सकुशल अपने साथ घर ले गया। यह भावुक पल वृद्धा आश्रम में मौजूद सभी लोगों के लिए खुशी का कारण बना। जानकारी के अनुसार, 13 मई 2026 को मां शारदा देवी मंदिर प्रबंध समिति द्वारा मेला परिसर से भटकी हुई बुजुर्ग महिला को सुरक्षित वृद्धा आश्रम में रखा गया था। महिला अपना नाम फूलरानी गोंड तथा निवास ग्राम

चौबे की उमरिया, जिला जबलपुर बता रही थीं, लेकिन उनके पास कोई पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं था। ऐसे में उनकी पहचान और परिजनों तक सूचना पहुंचाना बड़ी चुनौती थी।

मंगलवार को सोशल मीडिया पर बुजुर्ग महिला की खबर प्रसारित होने के बाद उनके परिजनों को इसकी जानकारी मिली। इसके बाद 7 जुलाई को उनके पुत्र प्रकाश सिंह, बहू, दामाद तथा अन्य परिजन मैहर स्थित वृद्धा आश्रम पहुंचे और अपनी माता की पहचान कर उन्हें अपने साथ घर ले गए। इस पूरे मामले में मैहर एसडीएम दिव्या पटेल की संवेदनशील पहल और सतत निगरानी सराहनीय रही। वहीं, मां शारदा देवी मंदिर प्रबंध समिति के कर्मचारी सुरेंद्र गर्ग ने भी बुजुर्ग महिला की देखभाल, जानकारी जुटाने और परिवार तक सूचना पहुंचाने में लगातार प्रयास किए। दोनों की मेहनत और सोशल मीडिया के सहयोग से आखिरकार बिछड़ा परिवार फिर एक हो सका।

### दिनेश कुमार जिलाध्यक्ष व सूर्यकांत मीडिया प्रभारी नियुक्त

**मैहर।** नवीन शिक्षा सत्र प्रारंभ होते ही छात्र परिषद के क्रियाकलाप भी प्रारंभ हो जाते है जिसके तहत सर्वप्रथम नवीन कार्यकारिणी का गठन सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैहर में बैठक कर किया गया। जिसमे छात्र परिषद के जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार और मीडिया प्रभारी सूर्यकांत द्विवेदी ने सर्वसम्मति से मैहर जिले की नवीन कार्यकारिणी में दिनेश कुमार को जिलाध्यक्ष, दीपशिखा पाण्डेय और निकिता त्रिपाठी को उपाध्यक्ष, आकांक्षा शर्मा को महासचिव, रीतू कुशवाहा को सचिव, दीपांजलि साहू और प्रांजलि अग्रवाल को सहसचिव, मीडिया प्रभारी सूर्यकांत द्विवेदी एवम कार्यकारिणी सदस्य में नैंसी नामदेव, प्रियंका कुशवाहा, वंशिता सोनी, अंजली यादव, हिमांशी तोमर, दीपांजलि पटेल, रुचि द्विवेदी, प्रतीक्षा श्रीवास, खुशबू गुप्ता, मुस्कान चौरसिया को मनोनीत किया

जागरूकता कार्यक्रम में साइबर ठगी से बचाव की दी जानकारी

## पुलिस अधीक्षक ने एकलव्य विद्यालय में किया साइबर जागरूकता कार्यक्रम

नगर संवाददाता ■ मैहर

मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित 'सेफ क्लिक 2.0' साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत आज एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, मैहर में विशेष साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक मैहर अवधेश प्रताप सिंह (भा.पु.से.) ने उपस्थित होकर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय स्टाफ को साइबर अपराधों से बचाव एवं सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी

लगातार नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। फर्जी कॉल, वीडियो कॉल, सोशल मीडिया, नकली एपीए फाइल, फर्जी निवेश योजनाएं, टास्क फ्रॉड, पीआई एवं क्यूआर कोड स्कैम, कस्टमर केयर अधिकारी बनकर ठगी तथा ओटीपी प्राप्त कर बैंक खातों से राशि निकालने जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। इन अपराधों से बचने का सबसे प्रभावी उपाय जागरूकता, सतर्कता एवं डिजिटल अनुशासन है।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें, अनजान स्रोत से मोबाइल एप्लिकेशन डाउनलोड न करें तथा ओटीपी, पीआईएन, सीव्हीव्ही एवं बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। किसी भी संदिग्ध कॉल, संदेश, ई-मेल या ऑनलाइन ऑफर पर बिना सत्यापन के विश्वास न करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 'डिजिटल अरेस्ट' नाम की कोई कानूनी प्रक्रिया नहीं होती और इस प्रकार का भय दिखाकर ठगी करने वाले साइबर अपराधियों से सतर्क रहना आवश्यक है।

पुलिस अधीक्षक ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वयं भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहें तथा अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के लोगों को भी साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी देकर 'साइबर सुरक्षा के दूत' बनें। उन्होंने कहा कि युवाओं की जागरूकता ही साइबर अपराधों के विरुद्ध सबसे मजबूत सुरक्षा कवच है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय स्टाफ ने सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने तथा समाज को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

## ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रामपुर बाघेलान ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

नगर संवाददाता ■ रामपुर बाघेलान

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रामपुर बाघेलान के अध्यक्ष संदीप सिंह परिहार के नेतृत्व में क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर अनुविभागीय अधिकारी रामपुर बाघेलान को ज्ञापन सौंपा है।ज्ञापन में क्षेत्र के युवाओं को स्थानीय उद्योगों एवं फैक्ट्रियों में रोजगार में प्राथमिकता देने अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने, लंबे समय से जले हुए विद्युत ट्रांसफार्मरों को शीघ्र बदलने तथा किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में प्रमाणित खाद एवं बीज उपलब्ध कराने की मांग की गई। इसके साथ ही नगर क्षेत्र में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की स्थायी व्यवस्था

सुनिश्चित करने जैसे कई माँगो को लेकर प्रमुखता से माँग की गई।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन से जनहित के इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की, ताकि क्षेत्र की आम जनता को राहत मिल सके। साथ ही चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समयबद्ध समाधान नहीं किया गया तो कांग्रेस पार्टी जनहित में लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।इस अवसर पर पूर्व विधायक रामलखन पटेल पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रामशंकर पयाशी भागवत सिंह तिवारी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी छिबौरा अध्यक्ष संतोष कुशवाहा बेला ब्लॉक अध्यक्ष शिवशंकर गोटिया राजेंद्र मिश्रा कमलेंद्र सिंह कमलू सज्जन सिंह तिवारी आदि उपस्थित रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### संभागीय सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

रीवा। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण नियम के तहत गठित संभागीय सतर्कता एवं सलाहकार समिति की बैठक 8 जुलाई को आयोजित की जा रही है। बैठक की अध्यक्षता कमिश्नर शीलेन्द्र सिंह करेंगे। बैठक दोपहर 12 बजे से कमिश्नर कार्यालय सभागार में आरंभ होगी। उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग जेपी यादव ने समिति के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

### जनसुनवाई के आवेदन पत्रों का सात दिन में करें निराकरणः कलेक्टर

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने आमजनता के आवेदन पत्रों में सुनवाई की तथा अधिकारियों को आवेदनों के निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी जनसुनवाई में प्राप्त आवेदन पत्रों का सात दिवस में निराकरण करें। समय सीमा में आवेदन पत्र का निराकरण न होने पर जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। सभी एसडीएम शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा, आम रास्ता बंद करने तथा हैण्डपंपों पर अवैध कब्जे जैसे आवेदनों पर तत्परता से कार्यवाही कराएं। आवेदन पत्रों के निराकरण की जानकारी पोर्टल पर दर्ज कराएं तथा कलेक्ट्रेट कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से एसडीएम, तहसीलदार एवं अन्य अधिकारियों को जनसुनवाई के आवेदनों के संबंध में निर्देश दिए।

जनसुनवाई में कलेक्टर के साथ.साथ जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, एसडीएम हुजूर डॉ. अनुराग तिवारी, डिप्टी कलेक्टर सुधीर बेक, तहसीलदार हुजूर शहर अनुपम पाण्डेय, तहसीलदार हुजूर ग्रामीण शिवशंकर शुक्ला एवं अन्य अधिकारियों ने भी आवेदनों में सुनवाई की। जनसुनवाई में भागवत प्रसाद मिश्रा निवासी लटियार ने नक्शा तरमीम के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने नायब तहसीलदार जवा को आवेदन के निराकरण के निर्देश दिए। सत्यनारायण दुबे निवासी मनिकवार ने शासकीय जमीन से अवैध कब्जा हटाने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने तहसीलदार रायपुर कर्चुलियान को मौके पर जाकर कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में गायत्री शुक्ला निवासी तिघरा ने जेपी सीमेंट प्लांट से अवैध रूप से निकाले गए कर्मचारियों की कठिनाईयों के निराकरण के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने जिला श्रम पदाधिकारी को प्रकरण में कार्यवाही के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत हटवा के निवासियों ने सड़क के किनारे पानी के भराव को दूर करने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने एसडीएम सिरमौर को अवैध निर्माण कार्य हटाकर पानी निकासी की व्यवस्था के निर्देश दिए। यज्ञपाल नामदेव निवासी रमकुई ने गांव में जल निकासी के लिए नाली निर्माण का आवेदन दिया। कलेक्टर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी रायपुर कर्चुलियान को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए।

[ बैठक ] बीजेपी पार्षदों ने बुलाया परिषद का विशेष सम्मिलन और उन्होंने ही कर दिया विरोध

# पार्षदों ने भेंट की चूड़ी-बिंदी व बैठक का किया बहिष्कार

■ स्पीकर ने की बैठक स्थगित किए जाने की घोषणा

नगर संवाददाता ■ रीवा

मंगलवार 7 जुलाई 2026 को बुलाया गया नगर पालिक निगम की परिषद का विशेष सम्मिलन हंगामे की भेंट चढ़ गया। दोपहर लगभग 12.30 बजे शुरू हुई इस विशेष बैठक में भाजपा पार्षदों के द्वारा इस कदर हाई वोल्टेज ड्रामा पेश किया गया कि बमुश्किल 15 से 20 मिनट में निगम प्रशासन सहित निगम प्रशासनिक तंत्र को चूड़ी-बिंदी भेंट करने से लेकर बैठक का बहिष्कार तक हो गया। अन्ततः स्पीकर द्वारा बैठक स्थगित किए जाने की घोषणा कर दी गई। गौर करने वाली बात है कि परिषद की विशेष बैठक भाजपा के पार्षदों की ओर से ही बुलाई गई थी और बैठक के दौरान शोर-शराबा और बहिष्काकर भी भाजपा के ही पार्षदों द्वारा किया गया। मालूम हो कि नगर पालिक निगम रीवा का 20वां विशेष सम्मिलन 7 जुलाई 2026 को दोपहर परिषद सभाकक्ष में आयोजित किया गया। परिषद की विशेष बैठक में विचारण के लिए 5 सूत्रीय एजेण्डा निर्धारित किया गया था। रीवा नगर की सफाई व्यवस्था, कराए जा रहे निर्माण कार्यों पर चर्चा, केन्द्र एवं राज्य शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन, रीवा नगर की पेयजल व्यवस्था, नगर में सीवर रेस्टोरेशन के कार्य पर चर्चा होना था। बैठक के प्रारंभ में वार्ड 44 से कांग्रेस पार्षद अर्चना मिश्रा द्वारा अवगत कराया गया कि उन्होंने मार्च में परिषद की बैठक में विभिन्न समस्याओं को लेकर सवाल लगाया था जिसका जबाव अभी तक अप्राप्त है।

निगमायुक्त से बात करने के लिए कहा जाता है। वार्ड 18 से

### आयुक्त के जबाव पर भड़कीं ज्योति

बैठक में शामिल होने पहुंचीं वार्ड 12 की भाजपा पार्षद ज्योति सिंह ने सदन को बताया कि वार्ड की समस्याओं को लेकर बैठक से पूर्व निगमायुक्त से मिलीं और उन्होंने कहा कि वार्ड के लोग समस्याओं से जूझ रहे हैं, प्रतिदिन शिकायत करने लोग उन तक पहुंचते हैं। पार्षद ने बताया कि निगमायुक्त ने जबाव दिया कि यह सब चुनाव लड़ने से पूर्व सोचना था। क्यों पार्षद बन गई? उन्होंने कहा कि हमारा अपमान किया गया। इस बात पर स्पीकर व्यंकटेश पाण्डेय ने कहा कि निगमायुक्त को ऐसा नहीं बोलना चाहिए था।

बीजेपी पार्षद अंबुज रजक ने कहा कि 4 साल का कार्यकाल केवल आरोप-प्रत्यारोप में गुजर गया, कोई कार्य वार्डों में नहीं हुआ। सड़कों में घुटनों तक पानी भरा हुआ है, लोग परेशानियों का सामना करने को विवश हैं। कर्मचारियों को रेनकोट तक दिलाने में निगम नाकाम है। सिर्फ कमीशनखोरी हो रही है।

### अध्यक्ष व्यंकटेश ने व्यक्त की पीड़ा

अपने-अपने वार्ड समस्याओं को लेकर पक्ष-विपक्ष के पार्षद अपने शब्दों से निगम के पूरे प्रशासनिक सिस्टम की घेराबंदी कर रहे थे, उसी दौरान अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय ने भी अपनी पीड़ा व्यक्त की। उन्होंने बताया कि करीब 5 माह से उनके घर के ठीक सामने सड़क खुदी हुई पड़ी है। हम किससे अपना दुखड़ा रोएं। लोग सोचते हैं कि नगर निगम स्पीकर हैं फिर भी सड़क को व्यवस्थित नहीं करा पा रहे हैं, इससे शर्मनाक बात और क्या हो सकती है।

### सिस्टम को कहा गया नकारा

वार्ड 26 से बीजेपी पार्षद स्वतंत्र शर्मा ने आरोप लगाया कि उनके वार्ड में सड़क खोदकर छोड़ दी गई है। नाली की मिट्टी ने आवागमन प्रभावित कर रखा है। फोन लगाने पर निगम के अधिकारी सुनते नहीं हैं। ठेकेदार मनमानी पर उतारू है। आपको बता दें कि पार्षदों के आरोपों का यह दौर बैठक में कोई चर्चा, उसके पूर्व ही शुरू हो गया था। उनका आक्रोश बढ़ता गया। गुस्साए 8-10 पार्षदों जिनमें वार्ड 13 से निर्दलीय पार्षद नम्रता सिंह भी शामिल रहीं, एकत्रित होकर नगर निगम कमिश्नर के समक्ष पहुंचे और उनको चूड़ी-बिंदी भेंट करने की कोशिश की गई। निगम कमिश्नर ने जब चूड़ी-बिंदी ग्राह्य नहीं की तो पार्षदों ने बगल में बैठे अधिकारियों की सीट पर चूड़ी-बिंदी रखते हुए बैठक का बहिष्कार कर दिया। उनके द्वारा सिस्टम को नकारा कहा गया। निर्दलीय पार्षद ने महापौर और स्पीकर को भी घेरने का प्रयास किया। इसके पूर्व महापौर की ओर से साफगोई में कहा गया कि नगर निगम कमिश्नर नए हैं, वस्तुस्थितित को समझ न पाएं होंगे। हम खेद व्यक्त करते हैं और विश्वास दिलाते हैं कि पार्षदों की समस्याओं के निदान का प्रयास किया जाएगा।

# एसपी आफिस में छात्रों को पढ़ाया गया सायबर जागरूकता का पाठ

■ लालच,आलस और डर से बचने की दी गई सलाह

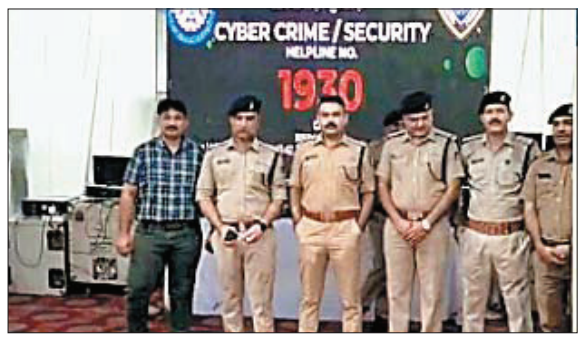


ÖØ÷ संवाददाता, रीवा।

मध्य प्रदेश पुलिस के सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान के तहत गत दिवस पुलिस अधीक्षक कार्यालय में स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए बच्चों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने की सलाह दी गई।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि साइबर ठगी के अधिकांश मामलों में अपराधी लोगों के लालच, आलस और डर का फायदा उठाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस किसी भी व्यक्ति को डिजिटल अरेस्ट नहीं करती और न ही बैंक कभी फोन पर खाते, एटीएम, ओटीपी या अन्य गोपनीय जानकारी मांगते हैं।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बताया गया कि अनजान लिंक, संदिग्ध गेम एप, फर्जी इनाम या लॉटरी के संदेश तथा अज्ञात निमंत्रण स्वीकार करने से बचें। मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग करते समय सतर्कता बरतना ही साइबर अपराधों से बचने का सबसे प्रभावी उपाय है। इस दौरान साइबर सेल की टीम सहित पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों के सवालों के जवाब भी दिए और उन्हें किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की सलाह दी।

19 थाना प्रभारियों सहित उपनिरीक्षकों को किया गया इधर से उधर

# विजय गोविंदगढ़, शिवा सेमरिया, मनोज अमहिया, आशीष समान, शैल लालगांव भेजे गये

ÖØ÷ संवाददाता, रीवा।

पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह ने प्रशासनिक दृष्टिकोण एवं रिक्त पदों की पूर्ति के लिए जिले में व्यापक फेरबदल करते हुए 19 कार्यवाहक निरीक्षकों, उपनिरीक्षकों एवं सहायक उपनिरीक्षकों के स्थानांतरण आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार कई थाना प्रभारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जबकि पुलिस लाइन में पदस्थ अधिकारियों को भी थानों का प्रभार दिया गया है।

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। फेरबदल के तहत कार्यवाहक निरीक्षक विजय सिंह को समान से गोविंदगढ़, आशीष मिश्रा को सेमरिया से समान तथा सुशीला साकेत को पुलिस लाइन से अजाक थाना प्रभारी बनाया गया है। उषा सोमवंशी को महिला सुरक्षा शाखा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार उपनिरीक्षक मनोज गौतम को अमहिया, शिवा अग्रवाल को सेमरिया, कन्हैया सिंह बघेल को पनवार, अरविंद राठौर को जवा, पुष्पेन्द्र यादव को गुढ़, दीपक तिवारी को सगरा, प्रवीण उपाध्याय को जनेह, प्रशांत शुक्ला को सिरमौर तथा शैलेंद्र सिंह को सोहागी थाना प्रभारी बनाया गया है। वहीं अंकिता मिश्रा को बिछिया थाना प्रभारी, मनीषा उपाध्याय को सिविल लाइन, मिथिलेश यादव को समान तथा नेहा सिंह को मनगवां थाना भेजा गया है। कार्यवाहक उपनिरीक्षक रामाश्रय रावत को बैकुण्ठपुर थाना प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा शैल यादव को गुढ़ से लालगांव चौकी प्रभारी बनाया गया है। पुलिस अधीक्षक ने सभी स्थानांतरित अधिकारियों को तत्काल नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं तथा आमद-रवानगी की सूचना स्थापना शाखा को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने को कहा है। माना जा रहा है कि जिले की कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा रिक्त पदों को भरने के उद्देश्य से यह प्रशासनिक फेरबदल किया गया है

# स्वरोजगार योजनाओं का लाभ दिलाने 16 जुलाई से हर बैंक शाखा में लगेंगे मेले

### स्वरोजगार योजनाओं की समीक्षा बैठक में बैंकों और विभागों को 31 जुलाई तक लक्ष्य पूरा करने कलेक्टर ने दी हिदायत

**रीवा।** कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में रीवा जिले के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में विभागीय अधिकारी और बैंक शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे, जिन्हें कलेक्टर ने योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने और वित्तीय वर्ष 2026.27 के लक्ष्यों को 31 जुलाई तक पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की स्वरोजगार योजनाओं का मुख्य उद्देश्य युवाओं और जरूरतमंदों को आत्मनिर्भर बनाना है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में प्रजेंटेशन के माध्यम से विभिन्न विभागों की अद्यतन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इस दौरान कलेक्टर ने कुछ विभागों और बैंकों के ढीले रवैये पर असंतोष जताया और निर्देश देते हुए कहा कि बैंकों में जो भी स्वरोजगार के आवेदन लंबित हैं, उन्हें बिना किसी देरी के स्वीकृत कर राशि वितरित कराए। अधिकारी और बैंक शाखा प्रबंधक आपस में बेहतर तालमेल बनाएं ताकि आवेदकों को विभागों या बैंकों का चक्कर न काटना पड़े। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग वित्तीय वर्ष के निर्धारित भौतिक और वित्तीय लक्ष्यों को समय सीमा के भीतर हासिल करें। ढिलाई बरतने वाले अधिकारियों पर जवाबदेही तय की जाएगी।

शासन की महत्वाकांक्षी स्वरोजगार योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के हितग्राहियों तक पहुँचाने के लिए बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आगामी 16 जुलाई से जिले की प्रत्येक बैंक शाखा में स्वरोजगार योजनाओं के विशेष मेलों का आयोजन किया जाए। इन मेलों का मुख्य उद्देश्य आवेदकों के विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के लंबित आवेदनों का त्वरित निराकरण करना है। कलेक्टर ने अधिकारियों और बैंक प्रबंधकों को सख्त निर्देश दिए हैं कि मेलों के दौरान हितग्राहियों के आवेदनों में आ रहे तकनीकी या कागजी व्यवधानों को मौके पर ही दूर किया जाए। अक्सर देखा जाता है कि छोटे.मोटे व्यवधानों की वजह से हितग्राहियों को ऋण की राशि का वितरण नहीं हो पाता है। इन मेलों के माध्यम से हमारा लक्ष्य सभी बाधाओं को दूर कर ज्यादा से ज्यादा प्रकरणों को स्वीकृत कराना हैए ताकि युवाओं को समय पर स्वरोजगार का अवसर मिल सके। कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को इन मेलों की रूपरेखा तैयार कर व्यापक प्रचार.प्रसार करने के भी निर्देश दिए हैं ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति इस लाभ से वंचित न रहे।

बैठक में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, पशुपालन एवं डेयरी विभाग की विभिन्न योजनाओं सहित अन्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने आवश्यक निर्देश दिए।

# विश्व कल्याण के लिए होगा 1111 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ

ÖØ÷ संवाददाता, रीवा।

अंतर्राष्ट्रीय अधिवक्ता दिवस संघर्ष परिषद एवं सरपंच महा परिषद के अध्यक्ष राजकुमार सिंह तिवारी ने बताया कि विश्व संत, तपोनिष्ठ,यज्ञ पुरुष, पूज्य पाद प्रातः स्मरणीय अनंत श्री विभूषित श्री सन कादिक महराज जी श्री धाम चित्रकूट के संरक्षण में सर्वे भवन्तु सुखिनह, विश्व कल्याण एवं शान्ति हेतु मैहर बाय पास रोड गौशाला भूमि सतना में 28 नवम्बर से 6 दिसंबर 2026 तक 1111 कुण्डी भव्य श्री राम महा यज्ञ होगा।आयोजन की तैयारी बैठक में श्री सनकादिक महराज जी ने श्रद्धालुओं को आर्शीवाद देते हुए कहा कि,यज्ञ भारतीय संस्कृति का प्राण तथा वैदिक धर्म का सार है। वैदिक विधि विधान से की गई हवन पूजा ही यज्ञ है। यज्ञ से पूरे विश्व का कल्याण होता है ।यज्ञ मानव जीवन को सफल बनाने की आधार शिला है ।जिससे समस्त मनोकामना पूर्ण हो सुख शांति प्राप्त होती है। तैयारी बैठक आयोजन समिति के व्यवस्थापक समाजसेवी राजाराम त्रिपाठी, महीपत शुक्ला, सुदामा शरद, राजेश द्विवेदी, विष्णु प्रताप सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह, साधना सिंह, नीता सोनी, राहुल सिंह, अनिवेश शुक्ला, राकेश केला, सुशील सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह स्वामी जी,आदि सैकड़ों रीवा सीधी सतना मैहर के संत महात्मा, श्रद्धालु एवं भक्त जन व्यापारी, समाज सेवी प्रबुद्ध जन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य जांच हेतु ग्राम पंचायतो में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित करें

# हर हफ्ते प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाई जाएः कमिश्नर

■ आईटीआई में स्थानीय युवाओं को विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षित करें

■ उच्च शिक्षा विभाग महाविद्यालयो में एमपीपीएससी एवं यूपीएससी की कक्षाएं संचालित करें

■ कमिश्नर ने संभागीय समय सीमा की बैठक में दिए निर्देश

ÖØ÷ संवाददाता, रीवा।

संभाग कमिश्नर शीलेंद्र सिंह ने मंगलवार को संभागीय समय सीमा की बैठक में सभी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह सीएम हेल्पलाइन के 100 दिवस से अधिक के लंबित प्रकरणों का तत्काल निराकरण कराना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि हर हफ्ते प्राप्त प्रकरणों के निराकरण में भी तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि यदि लंबित प्रकरणों के निराकरण में विभागीय अधीनस्थ अमला सहयोग नहीं कर रहा है या निराकरण में रूचि नहीं ले रहा है तो अधिकारी गण अधीनस्थ अमले पर नियम अनुसार कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। उन्होंने अनुकंपा नियुक्ति के एक प्रकरण में अनावश्यक लेट लतीफी करने एवं प्रकरण को गंभीरता से न लेने पर स्कूल शिक्षा विभाग के सहायक संचालक का इस माह का वेतन रोकने के निर्देश दिए।

कमिश्नर ने संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास को निर्देश दिए कि रीवा संभाग के सभी जिलों की गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित करें। इस कार्य हेतु सुपरवाइजर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, विशेषज्ञ चिकित्सक एवं अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों का आवश्यक सहयोग लिया जाए। कमिश्नर ने उक्त शिविर में कुपोषित बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के भी निर्देश दिए, कमिश्नर ने संयुक्त संचालक महिला व बाल विकास विभाग को निर्देश दिए कि वह तत संबंध में एक ठोस कार्य योजना बनाएं और जहां जहां शिविर आयोजित करना है इसकी व्यापक तैयारियां भी सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने सख्त हिदायत दी की शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण से कोई भी गर्भवती महिला वंचित न रहने पाए। कमिश्नर शीलेंद्र सिंह ने आईटीआई में प्रचलित 16 ट्रेड की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए की रीवा संभाग के सभी जिलों के युवाओं के स्किल डेवलपमेंट पर अनिवार्य रूप से कार्य किया जाए, उन्होंने कहा कि स्थानीय युवक.युवतियों को विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षित किया जाए ताकि वह स्थानीय उद्योग व इंडस्ट्री में रोजगार प्राप्त कर सके। कमिश्नर ने वर्तमान में आईटीआई में दिए जा रहे प्रशिक्षण की खराब स्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि स्थानीय इंडस्ट्री में जिस स्किल की या मांग की आवश्यकता है उसी मान से युवक एवं युवतियों को उसी ट्रेंड में प्रशिक्षित किया जाए। उन्होंने उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि वह संभाग के सभी जिलों के एक.एक महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए एमपीपीएससी एवं यूपीएससी की कक्षाएं संचालित करें। उन्होंने कहा कि इसके लिए यदि फंड एवं आवश्यक किताब या अन्य सुविधाओं की आवश्यकता पड़ती है तो संबंधित जिलों के कलेक्टर से सीआरएस फंड से मदद मुहैया कराई जाएगी। कमिश्नर ने उद्यानिकी विभाग को 15 अगस्त तक दिए गए लक्ष्य की पूर्ति करने के निर्देश दिए, साथ ही कहा कि स्थानीय स्तर पर सुंदरजा आम के प्रोडक्शन पर विशेष रूप से कार्य किया जा सकता है।

कमिश्नर ने संभागीय पेंशन अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि वह आगामी 6 माह में सेवानिवृत होने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों का डाटा एकत्रित कर ऐसे अधिकारी एवं कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के उपरांत पीपीओ देने की कार्रवाई प्राथमिकता से करना सुनिश्चित करें। उन्होंने हर ग्राम पंचायत में दुग्ध उत्पादन समिति बनाने के निर्देश दिए साथ ही बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह मेंटेनेंस की स्थिति में व्यापक स्तर पर सुधार कार्य करना सुनिश्चित करें।

# आवारा कुत्तों के हमले से सांभर घायल

■ वन विभाग ने उपचार के बाद जंगल में छोड़ा

नगर संवाददाता ■ सतना

जिले के चित्रकूट क्षेत्र स्थित गुप्त गोदावरी में मंगलवार को एक नर सांभर पर आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। हमले में सांभर घायल हो गया। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए उसे कुत्तों के चंगुल से बचाया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और प्राथमिक उपचार के बाद सांभर को सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। बताया गया है कि नर सांभर थर पहाड़ के जंगल से भटककर आबादी वाले क्षेत्र में पहुंच गया था। इसी दौरान आवारा कुत्तों के झुंड ने उसे घेर लिया और हमला कर दिया। कुत्तों ने उसे काफी दूर तक दौड़ाया जिससे उसके कान सहित शरीर के कई हिस्सों में चोटें आईं। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने साहस का परिचय देते हुए सांभर को कुत्तों से बचाया और सुरक्षित स्थान पर ले जाकर रखा। इसके बाद तत्काल वन विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही चित्रकूट रेंजर अभिषेक मिश्रा के निर्देशन में वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। टीम ने घायल सांभर का प्राथमिक उपचार किया। उसकी हालत सामान्य होने पर उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया।

संपादकीय

## जीवनदाता या दुकानदार!

'रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया' ने बीते 10 मई को एक 'सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम' (एसआरएस) के जरिए सर्वेक्षण कराया था। उसके स्वास्थ्य और जनसंख्या संबंधित निष्कर्ष और आंकड़े बेहद डरावने हैं। हालांकि यह सर्वेक्षण 2024 के आंकड़ों पर आधारित था, फिर भी उसके निष्कर्ष भयावह हैं। डॉक्टरी या अस्पताल की सहायता नहीं मिल पाने के कारण मौतों का डाटा दोगुना से अधिक हो गया है। 2020 तक ऐसी मौतों का अनुपात 18 फीसदी था, लेकिन 2024 में यह आंकड़ा बढ़ कर 45.05 फीसदी हो गया है। बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ में यह आंकड़ा 60 फीसदी को भी पार कर चुका था। केरल में यह आंकड़ा 26.08 फीसदी था, जो पुराने राष्ट्रीय औसत 18 फीसदी से भी अधिक है। यह कैसा देश है? ये मौतें इलाज के बिना हो रही हैं, जो बेहद त्रासद है। यह स्थिति तब है, जब मोदी सरकार की 'आयुष्मान भारत' योजना लगभग देश भर में लागू है और उसे दुनिया की सबसे बड़ी और व्यापक स्वास्थ्य बीमा योजना के तौर पर प्रचारित किया जाता रहा है। दरअसल 'आयुष्मान भारत' एक अर्द्धसत्य है, जिसे वे जानते होंगे, जो उस कार्ड के धारक हैं। यह कार्ड सिर्फ ऑपरेशन, शरीर की चीरा-फाड़ी में ही प्रभावी है। यदि आप रूटीन की, पुरानी बीमारियों के संदर्भ में, किसी डॉक्टर की सलाह लेना चाहते हैं, तो आपको उसकी महंगी फीस अदा करनी पड़ेगी। दवाओं का खर्च अलग! भारत में आम धारणा है कि डॉक्टर 'भगवान का ही रूप' हैं। भगवान तो अतिशयोक्ति है, हम 'जीवनदाता' तो मान सकते हैं। जब इनसान की आखिरी सांस भी उखड़ने लगती है और सामने मौत की छाया महसूस होने लगती है, तब एक डॉक्टर का जज्बा और जिद उस जिंदगी को बचाते हैं। मरणासन्न रोगियों को नई जिंदगी देने के ऐसे असंख्य उदाहरण हैं। बेशक डॉक्टर की पढ़ाई और प्रशिक्षण ऐसे हैं कि वे 'जीवनदाता' साबित होते रहे हैं, लेकिन यह भी कल्पना करें कि जिन जिंदगियों को अस्पताल में उपचार नहीं मिला और न ही ऐसा 'जीवनदाता' मिल पाया, उनके लिए तो मौत एक भयानक यथार्थ है। एक बड़ा सच यह भी है कि भारत में आम आदमी को अस्पताल और डॉक्टर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। वे इतने महंगे और दुकानदार किस्म के हो गए हैं कि औसत गरीब इनका इलाज वहन नहीं कर सकता। अस्पताल में एक बार जाएं, तो वहां अनेक प्रकार के टेस्ट जरूर किए जाएंगे, चाहे उनकी जरूरत हो या न हो। अस्पताल बाहर कराए हुए टेस्ट को मान्यता ही नहीं देते। भारत की व्यवस्था में डॉक्टरों को 'मोटे वेतन' दिए जाते हैं और उनके कोटे तय किए जाते हैं कि आप इतने मरीजों को ऑपरेट जरूर करेंगे। कई जगह तो ऐसे डॉक्टरों की तनख्वाह सरकार के कैबिनेट सचिव से भी अधिक होती है। सरकार डॉक्टर की पढ़ाई पर सब्सिडी भी देती है। क्या दुकानदार बनने के लिए इतना खर्च किया जाता है? इसमें अपवाद भी हैं, जो वाकई 'जीवनदाता' हैं। मप्र के एक न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर हैं, जिनसे मुलाकात की प्रतीक्षा-सूची 3-4 माह की है। उनकी एक बार की, सप्ताह तक लागू, फीस 3500 रुपए है, जबकि औसत विशेषज्ञ डॉक्टर की फीस 1200-1500 रुपए है। सवाल है कि क्या न्यूरो से जुड़ी पुरानी बीमारी का मरीज और आम आदमी ऐसे महंगे डॉक्टरों का इलाज वहन कर सकता है? यदि नहीं कर सकता, तो अकाल मौत का शिकार होगा। क्या भारत के संविधान में यही मौलिक अधिकार दिए गए हैं? गरीब लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं सस्ते में उपलब्ध करवाना सरकार का दायित्व है। गरीब मरीज को कोई परेशानी न हो, सरकार को यह सुनिश्चित कराना चाहिए।

## विकसित भारत की सबसे बड़ी कसौटी

# डिजिटल क्रांति के दौर में बढ़ते साइबर अपराध, बड़ी चुनौती



ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

डिजिटल क्रांति ने भारत को अभूतपूर्व गति, सुविधा और पारदर्शिता प्रदान की है। आज मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने सामान्य नागरिक के जीवन को सरल और सक्रिय बनाया है। भारत विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से उभर रहा है और 'डिजिटल इंडिया' तथा 'विकसित भारत-2047' का सपना इसी तकनीकी परिवर्तन पर आधारित है। इस उजले परिदृश्य के समानांतर एक भयावह अंधेरा भी तेजी से फैल रहा है-साइबर अपराधों का बढ़ता साम्राज्य। डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन वित्तीय ठगी, फिशिंग, पहचान की चोरी, निवेश घोटाले, व्यक्तिगत गोपनीयता पर सेंध, सोशल मीडिया के माध्यम से अपराध, बाल यौन शोषण सामग्री का प्रसार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दुरुपयोग आज केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक नैतिकता के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। विडंबना यह है कि जिस तकनीक का उद्देश्य मनुष्य के जीवन को सुरक्षित, सुविधाजनक और ज्ञानसमृद्ध बनाना था, वही तकनीक अपराधियों के लिए सबसे प्रभावी हथियार बनती जा रही है। इंटरनेट की असीम संभावनाओं का लाभ जितनी तेजी से समाज ने उठाया है, उतनी ही तेजी से अपराधियों ने भी उसे अपने हित में ढाल लिया है। परिणामस्वरूप डिजिटल दुनिया में विश्वास का संकट गहराता जा रहा है।




डिजिटल व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी विश्वास है। जब कोई नागरिक मोबाइल पर क्यूआर कोड स्कैन करता है, यूपीआई से भुगतान करता है या किसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निवेश करता है, तब वह केवल तकनीक पर नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल तंत्र की विश्वसनीयता पर भरोसा करता है। यदि यही भरोसा लगातार साइबर ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, नितांत व्यक्तिगत सूचनाओं के सार्वजनिक होने के भय, निवेश घोटालों और पहचान की चोरी जैसी घटनाओं से टूटने लगे, तो डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी। जिस प्रकार नकली मुद्रा का प्रसार पूरी आर्थिक व्यवस्था को संकट में डाल देता है, उसी प्रकार डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना कैशलेस अर्थव्यवस्था की अवधारणा को कमजोर कर सकता है। परंपरागत अपराधों और साइबर अपराधों में मूलभूत अंतर है। पहले अपराध किसी निश्चित क्षेत्र तक सीमित रहते थे, अपराधी की पहचान और गिरफ्तारी की संभावना अपेक्षाकृत अधिक होती थी। आज साइबर अपराधी हजारों किलोमीटर दूर बैठकर कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। उसके लिए जोखिम न्यूनतम और लाभ अधिकतम है। यही असंतुलन साइबर अपराध को अत्यंत खतरनाक बनाता है। अपराध का यह नया स्वरूप सीमाओं, भाषाओं और कानूनों की पारंपरिक सीमाओं को भी चुनौती दे रहा है।

चिंता केवल आर्थिक अपराधों तक सीमित नहीं है। हाल के दिनों में सोशल मीडिया मंचों पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के प्रचार-प्रसार के आरोपों ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यदि लोकप्रिय डिजिटल मंचों पर पैसे लेकर ऐसे विज्ञापन प्रसारित हो सकते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं बल्कि नैतिक और सामाजिक विफलता भी है। प्रश्न यह भी है कि क्या सोशल मीडिया कंपनियां केवल स्वयं को तकनीकी मंच कहकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो सकती हैं? जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एल्गोरिद्म यह तय करते हैं कि कौन-सा विज्ञापन किस व्यक्ति तक पहुंचेगा, तब उन मंचों की जवाबदेही भी उतनी ही बड़ी हो जाती है। आज अनेक डिजिटल प्लेटफॉर्म आपत्तिजनक सामग्री हटाने का दावा करते हैं, किंतु व्यवहार में उनकी प्राथमिकता कई बार राजस्व और व्यावसायिक हित प्रतीत होती है। यदि बाल यौन शोषण, अश्लीलता, साइबर ठगी या संगठित अपराध से जुड़े विज्ञापन और सामग्री लंबे समय तक सक्रिय रह सकते हैं, तो यह केवल अपराधियों की सफलता नहीं, बल्कि डिजिटल मंचों की जवाबदेही पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बनाए बिना डिजिटल समाज स्वस्थ नहीं रह सकता।

साइबर अपराध का सबसे दुखद पक्ष पीड़ित की मानसिक पीड़ा है। जीवनभर की बचत कुछ मिनटों में गायब हो जाती है। इसके बाद पुलिस, बैंक और साइबर हेल्पलाइन के चक्कर लगते हैं, लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं होने के कारण अधिकांश मामलों में धन वापस नहीं मिल पाता। इससे नागरिक के भीतर व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है। यदि अपराधी को दंड न मिले और पीड़ित को राहत न मिले, तो कानून का भय भी समाप्त होने लगता है। भारत सरकार ने साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, हेल्पलाइन, साइबर क्राइम समन्वय केंद्र तथा डिजिटल सुरक्षा संबंधी अनेक पहलें शुरू की गई हैं। न्यायपालिका ने भी ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर गंभीर चिंता व्यक्त की है। फिर भी नीति और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच बड़ी दूरी दिखाई देती है। शिकायत दर्ज होने के बाद शुरुआती कुछ घंटे सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। यदि इसी अवधि में बैंक खाते फ्रीज कर दिए जाएं और धन के प्रवाह को रोक दिया जाए तो बड़ी राशि बचाई जा सकती है। लेकिन अक्सर कार्रवाई में देरी अपराधियों के पक्ष में चली जाती है।

डिजिटल सुरक्षा अब केवल पुलिस का विषय नहीं रही। यह आर्थिक नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा, शिक्षा, प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जुड़ा बहुआयामी प्रश्न बन चुकी है। विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के समान महत्व दिया है। विशेष एजेंसियां, अत्याधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित विशेषज्ञ, रियल टाइम डेटा साझा करने की व्यवस्था और कठोर दंडात्मक कानून वहां की व्यवस्था का हिस्सा हैं। भारत को भी इसी दिशा में और अधिक सुदृढ़ कदम उठाने होंगे। स्थानीय पुलिस को डिजिटल फॉरेंसिक, ब्लॉकचेन विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जांच और अंतरराष्ट्रीय साइबर कानूनों का प्रशिक्षण देना समय की आवश्यकता है। इसके साथ ही नागरिक जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। तकनीक जितनी उन्नत होगी, अपराधी भी उतने ही नए तरीके खोजेंगे। इसलिए विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता को जनआंदोलन बनाया जाना चाहिए। लोगों को संदिग्ध लिंक, फर्जी कॉल, निवेश योजनाओं और सोशल मीडिया के छल-प्रपंचों से बचने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि सुरक्षा का पूरा दायित्व नागरिक पर डालकर सरकार, बैंक और डिजिटल कंपनियां अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकतीं। सुरक्षित डिजिटल वातावरण उपलब्ध कराना संस्थागत दायित्व है।

भ्रष्टाचार, लापरवाही और कमजोर केवाईसी व्यवस्था भी साइबर अपराध को बढ़ावा देती है। यदि फर्जी पहचान के आधार पर बैंक खाते खुलते हैं, यदि भुगतान प्लेटफॉर्म समय पर संदिग्ध लेन-देन नहीं रोकते, यदि आंतरिक मिलीभगत से अपराधियों को सुविधा मिलती है, तो यह केवल तकनीकी दोष नहीं बल्कि संस्थागत अपराध है। इसलिए पारदर्शी ऑडिट, कठोर उत्तरदायित्व और सख्त दंड व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। साइबर अपराध अब किसी एक देश की समस्या नहीं रहा। इंटरनेट की दुनिया में अपराधी सीमाओं से मुक्त हैं, इसलिए समाधान भी वैश्विक होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र सहित विश्व की प्रमुख शक्तियों को साइबर अपराध के विरुद्ध साझा कानूनी ढांचा, त्वरित सूचना आदान-प्रदान, तकनीकी सहयोग विकसित करना होगा। जिस प्रकार आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग आवश्यक माना गया, उसी प्रकार साइबर अपराध के विरुद्ध भी विश्वव्यापी समन्वय समय की मांग है।

अंततः डिजिटल क्रांति का वास्तविक उद्देश्य केवल तकनीकी प्रगति नहीं, बल्कि मानव जीवन को अधिक सुरक्षित, समृद्ध और सम्मानजनक बनाना है। यदि यही क्रांति भय, असुरक्षा और अविश्वास का कारण बनने लगे, तो उसकी सफलता अधूरी रह जाएगी। डिजिटल भारत की वास्तविक शक्ति उसके ऐप्स, सर्वरों और आंकड़ों में नहीं, बल्कि उस विश्वास में निहित है, जिसके साथ करोड़ों नागरिक प्रतिदिन अपने मोबाइल पर एक-एक लेन-देन करते हैं। आज आवश्यकता केवल तकनीकी समाधान की नहीं, बल्कि तकनीक, नैतिकता, कानून और उत्तरदायित्व के समन्वित मॉडल की है। सरकार को कठोर कानून, त्वरित न्याय और सक्षम जांच तंत्र विकसित करना होगा, डिजिटल कंपनियों को अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करना होगा, वित्तीय संस्थानों को सुरक्षा और जवाबदेही बढ़ानी होगी और नागरिकों को डिजिटल अनुशासन अपनाना होगा। साइबर अपराध और भारतीय डिजिटल जीवनशैली के बीच संतुलन ही विकसित भारत की सबसे बड़ी कसौटी है। यदि यह संतुलन स्थापित हो गया, तो डिजिटल भारत विश्व का सबसे विश्वसनीय डिजिटल लोकतंत्र बन सकता है, अन्यथा तकनीकी उपलब्धियां भी अविश्वास के बोझ तले दम तोड़ देंगी।

# अग्निपथ योजना में बदलाव

सूर्य करेगा अगवानी फिर चांद नजर उतारेगा,
हर बालक देश की रक्षा हेतु देखो अब हुंकारेगा।
सर पर होगा कफन हमारे हाथ कलावा धारेगा,
धरा हर पुत्र बनकर अग्निवीर अग्निपथ चलेगा।
कांधे पर बंदूक हमारे माथे केसर त्रिकुंड सजेगा,
सीमा प्रहरी सीना तान चलेगा शत्रु दिल कांपेगा।
देश वीर जब हुंकारेगा पर्वत भी शीश झुकाएगा,
धरा हर पुत्र बनकर अग्निवीर अग्निपथ चलेगा।



आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

देश के अग्निवीर अब किसी कवि की उपरोक्त पंक्तियों को चरितार्थ कर रहे हैं। अग्नि का अर्थ होता है आग और वीर का अर्थ होता है योद्धा। जो जोश से भरपूर तथा किसी भी स्थिति में हार न मानने वाला योद्धा। अग्निवीरों के लिए अब एक अच्छी पहल यह हुई है कि भारतीय सशस्त्र बलों ने अग्निवीरों को ज्यादा संख्या में स्थायी रूप से रखने की मांग की है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि सेना के पास अनुभवी जवानों की संख्या बढ़े ताकि युद्ध या किसी बड़े सैन्य संघर्ष की स्थिति में उनकी सेवाएं ली जा सकें। भारतीय सशस्त्र बलों ने पिछले साल हुएऑपरेशन सिंदूर से अहम सीख ली है। पाकिस्तान के खिलाफ आपरेशन सिंदूर के दौरान अग्निवीरों ने बेहतर प्रदर्शन किया। कई मौकों पर ऐसे अग्निवीरों जिन्हें अलग-अलग इलाकों में काम करने और कई सैन्य अभ्यासों का अनुभव था, उन्होंने हालात का ज्यादा तेजी और प्रभावी तरीके से सामना किया।

इसी अनुभव को देखते हुएसेना अब अधिक अग्निवीरों को सेवा में बनाए रखने की जरूरत महसूस कर रही है। अब सेना और भारतीय वायु सेना 4 साल की ट्रेनिंग पूरी करने वाले अग्निवीरों की स्थायी भर्ती 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की योजना बना रही है। जबकि नौसेना अग्निवीरों की भर्ती 75 प्रतिशत करने की पहल करने का प्रयास करेगी। रक्षा बलों में अब तक ट्रेनिंग पूरी करने वाले अग्निवीरों की 25 प्रतिशत भर्ती का ही प्रावधान है। अग्निपथ योजना के तहत भर्ती किए गएअग्निवीरों ने 2023 की शुरूआत में अपना प्रशिक्षण शुरू किया। अग्निवीरों के पहले बैच इस साल के अंत में अपना 4 साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। जब केन्द्र सरकार ने यह योजना शुरू की थी तब इसकी काफी आलोचना की गई थी और यह सवाल उठाया जा रहा था कि 4 वर्ष बाद केवल 25 प्रतिशत भर्ती की जाएगी तो 75 प्रतिशत अग्निवीर कहां जाएंगे। उनके आगे घर परिवार की जिम्मेदारियां होंगी तब वे नौकरी की तलाशमें परेशान रहेंगे। तब केन्द्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और राज्य सरकारों ने अग्निवीरों को नौकरियों में आरक्षण का प्रावधान किया था।

भारतीय सेना हमारे देशकी वह शक्ति है जो भारत की सीमाओं की रक्षा करती है। समूचा राष्ट्र इसलिए चैन की नींद सोता है, क्योंकि सीमाओं पर सेना के जवान प्रहरी बनकर खड़े होते हैं। यह केवल एक सैन्य संगठन नहीं बल्कि हर भारतीय के गर्व और सम्मान का प्रतीक है। युवा वर्ग को सैनिक प्रशिक्षण मिले और वह देश की सेवा में जुड़े रहें। युवा वर्ग सैन्य अनुशासन के साथ आगे बढ़ते रहें यह अग्निवीर योजना का मुख्य उद्देश्य है। अग्निवीरों ने प्रशिक्षण के दौरान भी अपनी शहादतें दीं। हर साल सेना में तय संख्या में जवान सेवानिवृत्त होते हैं। कम संख्या में अग्निवीरों को भर्ती किया तो आने वाले समय में सेना में जवानों की कमी हो जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना ने बड़ी संख्या में नई टेक्नोलॉजी, मॉडर्न प्लेटफॉर्म और अत्याधुनिक हथियारों की खरीद शुरू की है। ऐसे में इन सिस्टम को चलाने वाले जवानों को पहले से ज्यादा समय तक विशेष प्रशिक्षण देने की जरूरत महसूस की जा रही है, ताकि वे इनका पूरा अनुभव हासिल कर सकें। यह जरूरत खासतौर पर नौसेना के उन नाविकों और वायुसेना व थलसेना के उन जवानों के लिए अधिक महत्वपूर्ण मानी जा रही है जिन्हें अत्याधुनिक तकनीकी उपकरणों और हथियार प्रणालियों के संचालन की जिम्मेदारी दी जाती है। अगर अधिक संख्या में अग्निवीरों को सेवा में रखा जाता है तो तीनों सेनाओं में जवानों की औसत उम्र युवा बनी रहेगी। इसके साथ ही सेना के पास पर्याप्त संख्या में अनुभवी सैनिक भी उपलब्ध रहेंगे। इससे युवाओं और अनुभव के बीच बेहतर संतुलन बनाया जा सकेगा। इसके अलावा, इसके पीछे कुछ अन्य कारण भी हैं। अधिकारियों का मानना है कि सैनिकों का लंबा कार्यकाल उन्हें अपने साथियों के साथ बेहतर तालमेल और भरोसा बनाने का मौका देता है। कठिन परिस्थितियों, चुनौतीपूर्ण तैनाती और मुश्किल दौर को साथ मिलकर झेलने से जवानों के बीच आपसी समझ और टीम भावना भी मजबूत होती है। अग्निपथ योजना के तहत सैनिकों, नौसैनिकों और वायु सैनिकों का प्रशिक्षण चल रहा है। सभी रेजिमेंटल केन्द्रों में अकेले सेना में लगभग 70 हजार अग्निवीर ट्रेनिंग ले रहे हैं। अगले प्रशिक्षण वर्ष में सेना में अग्निवीरों की भर्ती बढ़ाने के लिएलगभग 90 हजार रिक्तियां बढ़ाने की उम्मीद है। पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कुछ समय पहले कहा था कि अग्निपथ योजना को सेना में बड़ा मानव संसाधन सुधार माना जाना चाहिए। सेना को अधिक युवा, ऊर्जावान, अनुशासित और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है तो अग्निवीर भारतीय सेना में सकारात्मक योगदान दे सकते हैं। भारतीय सेना की मांग के अनुरूप अग्निवीर योजना में बदलाव एक बहुत बड़ा कदम होगा और इससे युवाओं को रोजगार भी मिलेगा और सम्मान भी। नए सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने भी सेना के आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी आधारित क्षमता और सैन्य बलों को बढ़ाने की योजना पर बल दिया है।

# कामयाबी बैंक खाते से तय नहीं होती, धन से बड़ी दौलत है अपने पसंद का काम मिलना

वॉरेन बफेट

सफलता इस बात से तय होती है कि क्या आप सुबह मुस्कुराते हुए उठते हैं, आपका काम आपकी आत्मा को थकाता है या उसे ऊर्जा देता है और क्या रात को सोते समय आपको लगता है कि आज का दिन सार्थक बीता।

जब लोग मेरे बारे में पढ़ते हैं, तो वे अक्सर मेरी संपत्ति की चर्चा करते हैं। वे जानते हैं कि मैंने निवेश करके बहुत धन कमाया। अगर आप मुझसे पूछें कि मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि क्या है, तो मेरा जवाब कभी भी अरबों डॉलर नहीं होगा। मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि मैं अपने जीवन में हर सुबह उत्साह के साथ उठा, क्योंकि मैं जानता था कि आज भी मैं वही काम करने जा रहा हूं, जिससे मैं प्रेम करता हूं। धन कमाना मेहनत का परिणाम हो सकता है, पर उद्देश्य नहीं होना चाहिए। यदि उद्देश्य केवल धन कमाना है, तो एक दिन आप बहुत कुछ पा लेने के बाद भी भीतर से खालीपन महसूस करेंगे। अगर आपका उद्देश्य ऐसा काम करना है, जो जिज्ञासा, प्रतिभा और आपके आनंद से जुड़ा हो, तो धन उसके पीछे-पीछे आने लगेगा। और, यदि न भी आए, तब भी आपका जीवन सार्थक रहेगा। जब दूसरे बच्चे खेलों का मजा ले रहे होते थे, तब मैं कंपनियों की रिपोर्ट पढ़ने में आनंद लेता था। किसी ने मुझे इसके लिए मजबूर नहीं किया। यह मेरी दिलचस्पी थी। यदि मैं केवल समाज व लोगों की उम्मीदों के अनुसार चलता, तो शायद किसी और पेशे में चला जाता, पर तब मैं वह जीवन नहीं जी पाता, जिससे मुझे संतोष मिला। बहुत-से लोग पूरी उम्र यह जाने बिना बिता देते हैं कि उन्हें वास्तव में किस काम में आनंद आता है। वे नौकरी इसलिए करते हैं, क्योंकि वेतन मिलता है या कोई पेशा इसलिए चुनते हैं, क्योंकि समाज में उसे प्रतिष्ठा की नजर से देखा जाता है। यदि आपका मन उस काम में नहीं है, तो सफलता भी आपको थका देगी।

मैंने ऐसे लोगों को भी देखा है, जिनके पास अपार संपत्ति है, फिर भी वे हर सुबह बोझ महसूस करते हैं। दूसरी ओर, मैंने ऐसे लोगों को भी देखा है, जिनकी आय बहुत अधिक नहीं है, पर वे अपने काम से प्रेम करते हैं। उनके चेहरे पर जो संतोष है, वह किसी भी विलासिता से कहीं ज्यादा मूल्यवान है। जब आप अपने पसंद के काम में डूबे होते हैं, तब आपको सेवानिवृत्ति का विचार उतना आकर्षक नहीं लगता। आप काम इसलिए नहीं करते कि करना पड़ रहा है, बल्कि इसलिए करते हैं, क्योंकि वही आपको जीवंत महसूस कराता है। इसका अर्थ यह भी नहीं कि हर दिन आसान होगा। जब आप अपने चुने हुए मार्ग पर चलते हैं, तो कठिनाइयां आपको रोकती नहीं, बल्कि सिखाती हैं। जीवन की सफलता बैंक खाते से नहीं मापी जाती। वह इस बात से तय होती है कि क्या आप सुबह मुस्कुराते हुए उठते हैं, क्या आपका काम आपकी आत्मा को थकाता है या उसे ऊर्जा देता है और क्या रात को सोते समय आपको लगता है कि आज का दिन सार्थक था। यदि आप ऐसी स्थिति तक पहुंच जाते हैं, जहां सोमवार और रविवार में अंतर केवल कैलेंडर का रह जाता है, मन का नहीं, तो समझिए आपने वह कामयाबी हासिल कर ली है, जिसे कोई आर्थिक मंदी, बाजार, पुरस्कार और कोई आलोचना आपसे छीन नहीं सकती। यही मेरे लिए जीवन की सबसे बड़ी सफलता है।

# एक देश, एक सेवानिवृत्ति : आयु समानता और वरिष्ठ नागरिकों के न्याय की आवश्यकता



पवन शर्मा

किसी भी राष्ट्र और उसके नागरिकों के बीच का सामाजिक समझौता निष्पक्षता, समानता और आपसी सम्मान पर टिका होता है। जब कोई व्यक्ति देश के निर्माण में अपनी जवानी, बुद्धि और शारीरिक श्रम समर्पित कर देता है, तो राज्य का यह कर्तव्य बनता है कि वह उनके जीवन के अंतिम पड़ाव को सुरक्षित और सम्मानजनक बनाए। लेकिन आज के भारत में यह सामाजिक समझौता टूटता हुआ दिखाई दे रहा है। एक स्पष्ट और गहरी असमानता उभर कर सामने आई है- जहाँ एक तरफ आम नागरिकों के लिए कड़े नियम हैं, लगातार घटती सामाजिक सुरक्षा है और काम से जबरन बाहर होने की एक तय तारीख है; वहीं दूसरी तरफ राजनीतिक और प्रशासनिक अभिजात वर्ग असीमित विशेषाधिकारों और अनंत जीवन रेखाओं का आनंद ले रहा है। अब समय आ गया है कि इस ढांचागत असंतुलन को सुधारा जाए और एक समान राष्ट्रीय मानक की मांग की जाए, एक देश, एक सेवानिवृत्ति

**1. वरिष्ठ नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा का लगातार पतन**- पिछले एक दशक में, भारत के बुजुर्गों की रक्षा करने वाले सामाजिक सुरक्षा तंत्र को योजनाबद्ध तरीके से कमजोर किया गया है। पुरानी पेंशन योजना के स्थान पर बाजार-आधारित विकल्पों को लाने से लाखों सेवानिवृत्त सरकारी और अर्ध-सरकारी कर्मचारी मुद्रास्फीति (महंगाई) के सामने असहाय हो गए हैं। कई विभागों में, आजीवन मिलने वाली पारंपरिक पेंशन को खत्म करके %वन-टाइम% (एकमुश्त) भुगतान की व्यवस्था कर दी गई है। यह एकमुश्त राशि भले ही कागज पर बड़ी दिखती हो, लेकिन आज की बढ़ती स्वास्थ्य देखभाल लागत और सामान्य महंगाई के कारण यह बहुत तेजी से खत्म हो जाती है, जिससे बुजुर्ग अपने जीवन के अंतिम वर्षों में वित्तीय रूप से असुरक्षित हो जाते हैं।

इसके साथ ही, बुजुर्गों के लिए दैनिक जीवन का खर्च भी काफी बढ़ गया है। वरिष्ठ नागरिक आज भी जीवन रक्षक दवाओं से लेकर खाद्यान्न जैसी आवश्यक वस्तुओं पर आम कामकाजी आबादी के बराबर ही माल और सेवा कर चुकाते हैं। इसके बावजूद, जीवन भर टैक्स देने के बदले उन्हें मिलने वाली मामूली रियायतें भी वापस ले ली गई हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण भारतीय रेलवे में वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली छूट को बंद करना है-एक ऐसा लाभ जिसे बार-बार की जाने वाली सार्वजनिक अपीलों के बावजूद बहाल नहीं किया गया। यह एक अत्यंत अन्यायपूर्ण आर्थिक वास्तविकता को जन्म देता है- हमारे बुजुर्ग अप्रत्यक्ष करों के माध्यम से राष्ट्रीय खजाने में बराबर का योगदान दे रहे हैं, लेकिन उन्हें बुनियादी राज्य सब्सिडी और सहायता से वंचित किया जा रहा है।

**2. लोकलुभावन कल्याण बनाम ढांचागत समानता**- एक तरफ जहाँ वित्तीय घाटे और राजकोषीय विवेक का हवाला देकर वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों में कटौती की जा रही है, वहीं दूसरी तरफ देश के संसाधनों को राजनीतिक लाभ के लिए लोकलुभावन नकद-हस्तांतरण योजनाओं की ओर मोड़ा जा रहा है।

लाडली बहना योजना जैसे कार्यक्रम-भले ही महिलाओं की वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के अपने घोषित उद्देश्य में नेक दिखते हों-अक्सर बिना किसी सख्त आय सीमा या योग्यता फिल्टर के, स्वस्थ और सक्षम जनसांख्यिकी को मासिक नकद सहायता प्रदान करते हैं। यह अंधाधुंध खर्च दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता पर बिना किसी सार्वजनिक बहस या विधायी संवीक्षा के किया जाता है। जब सरकार यह दावा करती है कि उसके पास देश का बुनियादी ढांचा तैयार करने वाले बुजुर्ग नागरिकों की सहायता के लिए बजट नहीं है, लेकिन चुनावी लाभ के लिए खजाने का मुंह खोल देती है, तो वह टैक्स देने वाले एक बहुत बड़े वर्ग को निराश करती है। वास्तविक कल्याणकारी योजनाओं में शारीरिक और आर्थिक रूप से सबसे कमजोर लोगों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए, और इसकी शुरुआत हमारे वरिष्ठ नागरिकों से होनी चाहिए।

**3. संस्थागत दोहरा मापदंड- नियम बनाम अपवाद**- भारत का वर्तमान संस्थागत और प्रशासनिक ढांचा एक गहरे विरोधाभास पर काम करता है आम जनता के लिए नियम- देश के शिक्षकों, डॉक्टरों, वैज्ञानिकों, पुलिसकर्मियों और सिविल सेवकों को कानूनी रूप से 60 या 62 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त कर दिया जाता है। इसके पीछे यह तर्क दिया जाता है कि इस उम्र के बाद मानसिक या शारीरिक क्षमता स्वाभाविक रूप से कम हो जाती है, और देश की विशाल युवा आबादी को अवसर देने के लिए पद खाली होने चाहिए। नौकरशाही का अपवाद इसके विपरीत, हाल के वर्षों में आईएएस और आईपीएस जैसे वरिष्ठ नौकरशाहों को सेवानिवृत्ति के बाद भी बार-बार सेवा विस्तार देने का चलन चिंताजनक रूप से बढ़ा है। यह मनमाना सेवा विस्तार प्रशासनिक पदानुक्रम को प्रभावित करता है, छोटे और उतने ही योग्य अधिकारियों की पदोन्नति के रास्ते बंद करता है, और संस्थागत स्वतंत्रता से समझौता करता है। राजनीतिक अमरता देश के नीति-निर्माताओं और राजनेताओं के लिए कोई आयु सीमा या शारीरिक फिटनेस का मानदंड ही नहीं है। राजनेता अपनी उम्र या शारीरिक अक्षमताओं की परवाह किए बिना अनिश्चित काल तक चुनाव लड़ सकते हैं, मंत्रालय चला सकते हैं और राष्ट्रीय नीतियां बना सकते हैं।

यह एक अतार्किक विरोधाभास पैदा करता है यदि एक अनुभवी शिक्षक 60 वर्ष की आयु के बाद चालीस छात्रों की कक्षा को संभालने के लिए अयोग्य मान लिया जाता है, तो एक राजनेता 80 वर्ष की आयु में बीस लाख लोगों के निर्वाचन क्षेत्र पर शासन करने के लिए कैसे योग्य हो सकता है? यदि देश के विशेषज्ञों और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए उम्र के साथ शारीरिक और मानसिक क्षमता का पैमाना लागू होता है, तो वही नियम कानून बनाने वालों पर भी लागू होना चाहिए।

**4. बहु-पेंशन की विसंगति**- यह असमानता तब और गहरी हो जाती है जब हम राजनीतिक वर्ग को मिलने वाले सेवानिवृत्ति लाभों को देखते हैं। जहाँ आम नागरिक एक सम्मानजनक एकल पेंशन के लिए संघर्ष कर रहा है या एकमुश्त भुगतान पर निर्भर है, वहीं राजनेताओं के लिए एक विशेष और बेहद फायदेमंद व्यवस्था बनाई गई है। मौजूदा नियमों के तहत, एक राजनेता कई पेंशन का लाभ उठा सकता है। यदि कोई व्यक्ति विधानसभा सदस्य और संसद सदस्य दोनों रहा हो या एक ही सदन में कई बार चुना गया हो तो वह प्रत्येक कार्यकाल के लिए अलग-अलग, संचयी पेंशन का हकदार होता है। इसका मतलब है कि जनता का एक सेवक, जिसने शायद कुल मिलाकर केवल कुछ ही साल सेवा की हो, सरकारी खजाने से तीन या चार अलग-अलग पेंशन ले सकता है। यह वित्तीय विलासिता पूरी तरह से करदाताओं के पैसे से पोषित होती है, जबकि देश के कई बुजुर्ग बुनियादी चिकित्सा खर्च उठाने के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं।

**5. एक देश, एक सेवानिवृत्ति का क्रियान्वयन**- जनता का विश्वास बहाल करने, पीढ़ीगत समानता सुनिश्चित करने और राष्ट्रीय बजट को संतुलित करने के लिए, भारत को एक समान प्रशासनिक ढांचे की ओर बढ़ना होगा।

## परिवहन आयुक्त ने विभागीय कार्यों की समीक्षा की, डीपीसी की फाइलें भी निपटाईं

**ग्वालियर।** परिवहन आयुक्त उमेश जोगा मंगलवार को एक दिवसीय प्रवास पर ग्वालियर पहुंचे। उन्होंने सिरोल स्थित परिवहन आयुक्त कार्यालय में विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का जायजा लिया और विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) से संबंधित फाइलों का भी निराकरण किया। समीक्षा बैठक के दौरान परिवहन आयुक्त ने प्रशासनिक एवं कार्यालयीन व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को कार्यों में पारदर्शिता और समयबद्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय गतिविधियों और लंबित मामलों की प्रगति की भी समीक्षा की। इस दौरान परिवहन आयुक्त ने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी विक्रमजीत सिंह के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों और कम स्टाफ के बावजूद ग्वालियर कार्यालय बेहतर कार्य कर रहा है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आमजन को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण पर विशेष ध्यान देने को कहा। समीक्षा के दौरान परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

### रेलवे स्टेशन पर लगा बम-बम भोले का जयघोष

# 250 श्रद्धालुओं का जत्था अमरनाथ के लिए रवाना

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

बाबा अमरनाथ बर्फानी के दर्शन के लिए ग्वालियर से 'बम-बम भोले सेवा दल' का 250 श्रद्धालुओं एवं सेवादारों का जत्था मंगलवार शाम जम्मूतवी के लिए रवाना हुआ। रेलवे स्टेशन पर 'बम-बम भोले' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। सेवा दल का यह लगातार 26वां अमरनाथ यात्रा दल है, जिसका नेतृत्व माधव महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. संजय कुमार पाण्डेय कर रहे हैं।

### पंजीकरण हुए निरस्त

स्पॉट रजिस्ट्रेशन को लेकर जम्मू में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ हो रही है और उन्हें 15-20 दिन आगे के रजिस्ट्रेशन मिल रहे हैं। डॉ. संजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि इस वर्ष अमरनाथ यात्रा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ तथा जम्मू-कश्मीर में लागू प्रशासनिक एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं को देखते हुए सेवा दल ने एहतियातन महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। जिन श्रद्धालुओं के पंजीकरण आगे की तिथियों के लिए थे, उनके रजिस्ट्रेशन फिलहाल निरस्त करा दिए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा या अप्रिय स्थिति का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) मध्यप्रदेश के सहयोग से यात्रा के दौरान पहलगाम, चंदनवाड़ी और पवित्र गुफा क्षेत्र में 'स्वच्छता ही सेवा' एवं 'प्लास्टिक मुक्त भारत' अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से श्रद्धालुओं को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा। जाने वाले जत्थे में डॉ. अशोक श्रोती, राहुल सिंह परिहार, आनंद पचौरी, सुभाष शर्मा, प्रवीण दौदेरिया, राजीव शर्मा, अनुज गुप्ता, सुदीप सेठ, आकाश शर्मा, गिर्राज शर्मा, विनय दौदेरिया, शुभम उपाध्याय आदि रवाना हुए।

### श्रद्धा और विश्वास से ही होता है ईश्वर का साक्षात्कार: तिवारी

श्रद्धा, विश्वास, निष्काम कर्म और निर्मल अंतःकरण ही मनुष्य को परमात्मा की अनुभूति तक पहुंचाते हैं। भगवान का साक्षात्कार बाहरी आडंबर से नहीं, बल्कि शुद्ध हृदय, दृढ़ श्रद्धा और सतत भक्ति से संभव है। यह विचार आचार्य डॉ. विष्णु नारायण तिवारी ने वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान कम्मू में आयोजित गीता ज्ञान यज्ञ सप्ताह के समापन अवसर पर व्यक्त किए।

समापन सत्र में श्री तिवारी ने कहा कि पुण्य कर्मों से अंतःकरण निर्मल होने पर व्यक्ति मोह और द्वंद्व से मुक्त होकर दृढ़ श्रद्धा के साथ भगवान का भजन करता है। उन्होंने कहा कि गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि ज्ञान, विवेक, आत्मानुशासन और कर्मयोग का जीवन दर्शन है। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान, कम्मू के नाम से नए गीता स्वाध्याय मंडल का गठन किया गया, जिसके प्रमुख ओमप्रकाश मिश्रा बनाए गए। साथ ही निर्णय लिया गया कि प्रत्येक गुरुवार दोपहर 1 से 2:30 बजे तक नियमित साप्ताहिक गीता स्वाध्याय का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर प्रो. मनीष खेमरिया, पं.चन्द्रशेखर शास्त्री, एसके गुप्ता, अशोक गुप्ता, महेशचंद गुप्ता, रत्ना कपूर, ओमप्रकाश मिश्रा, अरुण कुमार शर्मा, अलकेश त्रिपाठी, राधा त्रिपाठी, अंशुमान सिंह सेंगर सहित बड़ी संख्या में गीता प्रेमी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। अंत में सह-संपर्क प्रमुख कालीचरण शर्मा एवं वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान के अध्यक्ष इंजीनियर एसके गुप्ता ने सभी से नियमित गीता स्वाध्याय में सहभागिता की अपील की।

### श्रद्धालुओं के लिए की भण्डारे की व्यवस्था

बाबा बर्फानी समिति द्वारा अमरनाथ यात्रा पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए मनीग्राम बैस कैंप पर भण्डारे की व्यवस्था की गई है। अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले लोग पहले इस भण्डारे में अपनी सेवाए दे रहे हैं। इसके बाद अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हो रहे हैं। वहीं समिति के लोगों ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन के झमेले में नहीं पड़े। जिनके अधिकृत रजिस्ट्रेशन हैं, वे ही इस यात्रा पर जाएं। वहीं गर्मी के कारण शिवलिंग भी एक फीट तक पिघल गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष तो शिवलिंग कुछ ही दिनों में पूरा पिघल गया था।

### चातुर्मास के लिए जैन समाज लखनऊ में करेगा श्रीफल भेंट

ग्वालियर जैन समाज वर्ष 2027 के चातुर्मास के लिए श्रीफल भेंट करने 19 जुलाई को लखनऊ पहुंचेगा। इस अवसर पर समाज के प्रतिनिधि मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंत सागर मुनिराज (ससंघ) के सान्निध्य में आयोजित चातुर्मास कलश स्थापना समारोह में शामिल होकर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि 19 जुलाई को लखनऊ के आशियाना जैन मंदिर में उपाध्याय श्री विहसंत सागर मुनिराज के चातुर्मास का विधिवत कलश स्थापना समारोह आयोजित होगा। इसी दौरान ग्वालियर जैन समाज वर्ष 2027 के चातुर्मास के लिए श्रीफल भेंट कर अपनी भावनाएं व्यक्त करेगा।

# युवक की हत्या का आरोपी पकड़ा

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

उपनगर ग्वालियर थाना क्षेत्र में गाय को डंडा मारने के विवाद में युवक की पीट पीटकर हत्या करने वाले एक अन्य आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पांच आरोपी पहले ही पकड़े जा चुके थे। पुलिस ने घटना के बारे में पूछताछ करने के बाद जेल भेज दिया है। 4 जुलाई को दिनेश उर्फ रॉकी पटेल को जहांगीर कटरा में गाय को डंडा मारने पर आशिक खान लल्ला उर्फ निजाम, गौरव सविता, कल्ला माहौर, कृष्णा प्रतापति और अंकित रजक सहित एक नाबालिग ने डंडो से पीट पीटकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने उक्त मामले में पांच आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। मंगलवार को मुखबिर से सूचना मिली कि दिनेश की हत्या का आरोपी क्षेत्र में देखा गया है। पुलिस ने जहांगीर कटरा से आशिक खान लल्ला उर्फ निजाम पुत्र धन्ने खान निवासी जहांगीर कटरा को गिरफ्तार कर लिया।

### इनामी बदमाश पकड़े

मुरार थाना पुलिस ने परिवार पर प्राणघातक हमला करने वाले इनामी बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पहले अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। सुरैयापुरा निवासी ब्रजकिशोर शर्मा के पड़ोसी अशोक गुर्जर और उसके साथी बदमाशों ने 6 जनवरी 2026 को घर में घुसकर हमला कर दिया था। हमलावरों ने ब्रजकिशोर और उसकी मां, बहन, छोटे भाई की पत्नी के साथ जमकर मारपीट करते हुए उनको लहूलुहान कर दिया था। उक्त घटना के बाद से ही पुलिस इनामी बदमाशों की तलाश में जुटी थी।

मंगलवार को मुखबिर से पुलिस को सूचना मिली कि दस-दस हजार के इनामी श्यामलाल पांडवीय महाविद्यालय के पास देखे गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए बदमाशों की पहचान गौरव उर्फ गौरु पुत्र लाखनसिंह गुर्जर और शिवप्रताप उर्फ शिब्बू पुत्र हरीसिंह गुर्जर निवासीगण भिंड मौ ग्राम ईटायदां के रुप में हुई। पुलिस अन्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी थी।

### पुरानी रंजिश पर गोली चलाने वाला दबोचा

गोला का मंदिर थाना क्षेत्र स्थित रणधीर कॉलोनी जिम के पास पुरानी रंजिश पर सुमित कौरव की 24 जनवरी को अंशुल गुर्जर, छोटू तोमर और कालू कौरव ने रास्ता रोककर मारपीट कर गोली चला दी थी। हमले के बाद आरोपी धमकी देकर भाग गए थे। मंगलवार को पुलिस ने सूर्य मंदिर के पास से फरार बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए बदमाश की पहचान कालू उर्फ मदनमोहन कौरव निवासी भिंड के रूप में हुई। पुलिस ने कालू की निशादेही पर कट्टे को बरामद कर लिया है।

# पुलिस आज से शुरू की स्कूल बसों की चेकिंग, 17 तक चलेगी

**ग्वालियर।** स्कूल के विद्यार्थियों का परिवहन सुरक्षित रखने के लिए पुलिस अभियान शुरू कर रही है। यह अभियान 8 से 17 जुलाई तक चलेगा। इसमें बसों के सुरक्षा मापदंड परखे जाएंगे। इसमें यह भी ख्याल रखा जाएगा कि चेकिंग प्रक्रिया के दौरान बच्चों को परेशानी न हो।

### पुलिस इन बिंदुओं पर परखेगी बसों को

▸▸ स्कूल वाहनों की तकनीकी एवं यांत्रिक जांच की जाएगी, जिसमें स्कूल बसों द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के दिशा निर्देशों का पालन किया जा रहा है अथवा नहीं। जैसे स्कूल बस लिखा होना, फर्स्ट एड किट होना, अग्निशमन यंत्र होना, स्पीड गवर्नर लगा होना जिसकी अधिकतम स्पीड 40 से अधिक न हो, इसके साथ ही वाहन का फिटनेस, परमिट, इंश्योरेंस, पीयूसी इमरजेंसी गेट, सीट क्षमता से अधिक बच्चे ने बैठे हो, आदि का शत प्रतिशत पालन किया जा रहा हो।

▸▸ स्कूली बस चालको एवं संवाहकों का सत्यापन। जिसमें वाहन चालक के ड्राइविंग लाइसेंस की जांच हो चालक के पास कम से कम 5 वर्ष पुराना भारी वाहन चलाने का वैध ड्राइविंग लाइसेंस हो बस चालक और कंडक्टर का पुलिस वेरिफिकेशन का भी सत्यापन करे। यदि कोई बस चालक नशे में वाहन चलाते पाया जाए तो तत्काल उसका वाहन जप्त कर प्राथमिकी दर्ज कराई जाए।

### कॉफी विद सैलिब्रिटी में साझा की सफलता की कहानी

**ग्वालियर।** जेसीआई जोन-6 द्वारा जोन चेयरपर्सन एवं जेसीआई इंडिया की नेशनल ट्रेनर जेसीआई सीनेटर रीतिका गुप्ता के नेतृत्व में बीकानेरवाला में 'कॉफी विद सैलिब्रिटी' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छात्र निकुंज अग्रवाल रहे। निकुंज ने अपनी सफलता की यात्रा, पढ़ाई की रणनीति, चुनौतियों और अनुभव साझा किए। उन्होंने लक्ष्य के प्रति समर्पण, नियमित अध्ययन और आत्मविश्वास को सफलता की सबसे बड़ी कुंजी बताया। अध्यक्षता रीतिका गुप्ता ने की। आभार रजनीश नीखरा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर केशव वैश्य, अनिल जैन, अनुराधा वैश्य, रूचि अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, ललिता बंसल आदि उपस्थित रहे।

# बजरंग दल ने पौधे रोपकर किया हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ

### ■ सेवा सप्ताह : भगवा ध्वज के साथ नवग्रह पहाड़ी पर पहुंचे कार्यकर्ता

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल, जिला लश्कर द्वारा सेवा सप्ताह के अंतर्गत मंगलवार को नवग्रह पहाड़ी स्थित श्री हनुमान मंदिर परिसर में पौधरोपण, सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, महाआरती एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण और समाज सेवा का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत शाम 6 बजे बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने हाथों में भगवा ध्वज लेकर उत्साहपूर्वक नवग्रह पहाड़ी की चढ़ाई से की। इसके बाद मंदिर परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। सभी कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया, महाआरती में सहभागिता निभाई और अंत में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर प्रांत साप्ताहिक मिलन प्रमुख मनोज रजक ने कहा कि पौधरोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को पौधे लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल का भी संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पहाड़ियों पर नियमित चढ़ाई करना शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक ऊर्जा और आत्मविश्वास को बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है। सेवा, संस्कार और स्वास्थ्य का समन्वय ही सशक्त एवं जागरूक समाज की पहचान है। कार्यक्रम में विभाग सह संयोजक रविराज लुडेले, जिला सह संयोजक संजू राठौर, नीरज उचिया, ऋतुराज शर्मा, मनोज विश्वकर्मा, देव गोड़िया ,सोनू गोड़िया, लखन रजक, शिवा कुशवाहा, सत्यम प्रजापति, बंटू रजक, हितेश रजक, चिराग वर्मा, रचित वर्मा, अभिषेक कुशवहा, सुभाष सोलंकी, सोनू कुशवाहा, सागर खटीक, विशाल खटीक, निहाल कुशवाह, सचिन परिहार, हितेश रजक सहित बड़ी संख्या में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# फ्री फायर की लत से घर छोड़ गया नाबालिग, सात दिन से लापता

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

थाटीपुर थाना क्षेत्र से 15 वर्षीय छात्र के पिछले सात दिन से लापता होने से परिजन बेहद चिंतित हैं। परिजनों का कहना है कि छात्र को ऑनलाइन गेम फ्री फायर खेलने की लत थी और उन्हें आशंका है कि वह साइबर अपराधियों के संपर्क में आकर किसी मुसीबत में फंस गया है। पुलिस ने गुमशुदगी के मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच तेज कर दी है। मेहरा कॉलोनी, बालाजी वाटिका के पास रहने वाले जनवेद दोहरे का 15 वर्षीय बेटा प्रिंस कक्षा 10वीं का छात्र है। परिजनों के अनुसार, 30 जून की सुबह करीब आठ बजे वह बिना बताए घर से निकल गया और वापस नहीं लौटा। पहले परिवार ने अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिलने पर पुलिस से शिकायत की गई। मां सीमा ने पुलिस को बताया कि प्रिंस पिछले आठ वर्षों से फ्री फायर गेम खेल रहा था। ऑनलाइन गेम के जरिए उसकी दूसरे राज्यों के कई युवकों से पहचान हो गई थी, जिनसे वह लगातार बातचीत करता था। छोटे भाई अनुज ने बताया कि एक दोस्त ने उसे गेम की आईडी दिलाने का झांसा देकर घर से बुलाया था।

परिजनों ने छात्र का मोबाइल खंगाला तो उसमें फर्जी आईडी, वॉट्सएप ग्रुप और रुपये के लेनदेन से जुड़े कुछ प्रमाण मिले। वहीं पुलिस का कहना है कि घर से निकलने से पहले छात्र ने मोबाइल का अधिकांश डेटा डिलीट कर दिया था।

थाटीपुर थाना प्रभारी विपेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच में सामने आया है कि प्रिंस घर से अकेला निकला और रेलवे स्टेशन पहुंचकर दिल्ली जाने वाली ट्रेन में सवार हो गया। वह किस स्टेशन पर उतरा, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस टीम को बाहर भेजा गया है और परिजनों द्वारा जिन लोगों पर संदेह जताया गया है, उनकी भी जांच की जा रही है।

# शैक्षणिक दबाव, सामाजिक अपेक्षाएं व डिजिटल का ज्यादा उपयोग से बढ़ रहा तनाव, चिंता और अवसाद

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

आईटीएम यूनिवर्सिटी के डीन स्टूडेंट वेलफेयर एवं कॅरियर गाइडेंस एंड काउंसिल सेल के संयुक्त तत्वावधान में मानसिक स्वास्थ्य एवं नशामुक्ति जागरूकता विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता मानसिक आरोग्यशाला ग्वालियर के सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. नंदकुमार सिंह ने कहा कि शैक्षणिक दबाव, सामाजिक अपेक्षाएं और डिजिटल माध्यमों का अत्यधिक उपयोग युवाओं में तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं को बढ़ा रहा है। उन्होंने मानसिक समस्याओं के शुरुआती संकेत पहचानने, समय पर विशेषज्ञों से परामर्श लेने और नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ पारिवारिक, सामाजिक और व्यावसायिक जीवन को भी प्रभावित करता है। इसलिए युवाओं को आत्मअनुशासन अपनाकर सकारात्मक लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान की निदेशिका डॉ. मीनाक्षी मजूमदार ने की। डीएसडब्ल्यू नितिन दीक्षित ने स्वागत भाषण में कहा कि प्रतिस्पर्धी दौर में मानसिक रूप से स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है। डीन रिसर्च डॉ. दीपेश भारद्वाज ने स्वस्थ जीवनशैली और सकारात्मक गतिविधियों से तनाव कम करने पर जोर दिया। प्रश्नोत्तर सत्र में छात्र-छात्राओं ने मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, आत्मविश्वास और नशामुक्ति से जुड़े सवाल पूछे, जिनका डॉ. नंदकुमार सिंह ने विस्तार से समाधान किया। इस अवसर पर डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, डॉ. राजीव सिंह राठौर, डॉ. एसएस चौहान, नरेंद्र कुमार यादव, अमित तिवारी सहित विभिन्न विभागों के डीन, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। आभार डॉ. प्रभा दीक्षित ने व्यक्त किया।

## कमल अध्यक्ष और वीरू संयोजक बने

**ग्वालियर।** राठौर समाज विकास समिति ग्वालियर द्वारा राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर जयंती को लेकर समाज की बैठक मंगलवार को कोटेश्वर मंदिर के समीप निर्मल वाटिका में आयोजित की गई। अध्यक्षता बाबू सिंह राठौर ललितपुर वालों ने की। बैठक में खेमचन्द्र राठौर और शिवरत्न राठौर को चुनाव अधिकारी बनाया गया। इस दौरान चार प्रत्याशियों के नाम चुनाव के लिए आए। बैठक में सभी की सहमति से कमल राठौर सेवा नगर को निर्विरोध राष्ट्रीय वीर दुर्गादास राठौर जयंती का अध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही वीरू राठौर गोल पहाड़िया को कार्यक्रम संयोजक चुना गया।

### विभिन्न विभागों में हुई जनसुनवाई, शिकायतें लेकर पहुंचे लोग

# गौशाला विस्तार के लिए जमीन दिलाने की मांग, जनसुनवाई में सौंपा ज्ञापन

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में मंगलवार को वृषभानु सुता गौ रक्षा गौ सेवा समिति के पदाधिकारियों ने ग्राम पंचायत लदवाया स्थित गौशाला के विस्तार के लिए शासकीय भूमि उपलब्ध कराने की मांग को लेकर जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा। समिति का आरोप है कि पूर्व में भी इस संबंध में आवेदन दिया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने से गौशाला के संचालन में गंभीर परेशानियां आ रही हैं।

समिति ने मांग की कि गौशाला के विस्तार के लिए आवश्यक शासकीय भूमि तत्काल उपलब्ध कराई जाए। जनसुनवाई में राजस्व, नगर निगम, बिजली, पुलिस इत्यादि से संबंधित समस्याएं प्राप्त हुईं। जमीन संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश सभी एसडीएम व तहसीलदारों को दिए गए हैं। नगर निगम क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं से संबंधित समस्याओं को तत्परता से निराकृत करने की हिदायत भी नगर निगम के अधिकारियों को दी।

### जनसुनवाई में 16 प्रकरण सुने, छह का मौके पर निराकरण

ग्वालियर विकास प्राधिकरण (जीडीए) कार्यालय में उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता ने जनसुनवाई कर हितग्राहियों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में कुल 16 प्रकरण आए, जिनमें से छह का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया। टीडीएस-04 योजना से जुड़े किसानों के नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराने के लिए संपदा अधिकारी को तहसीलदार के माध्यम से कार्रवाई करने को कहा। दो प्रकरणों में नामांतरण भी किया गया। जनसुनवाई में अधीक्षण यंत्री केडी मिश्रा, संपदा अधिकारी बृजेश शर्मा, लेखा अधिकारी, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, तकनीकी शाखा प्रभारी, कार्यालय अधीक्षक सहित विभिन्न शाखाओं के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

### निगम की जनसुनवाई में पहुंचीं 35 से ज्यादा शिकायतें

नगर निगम मुख्यालय सिटी सेंटर में आयोजित जनसुनवाई में मंगलवार को शहरवासियों ने पानी, सीवर, अतिक्रमण, सफाई, बिजली, आवास सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। अपर आयुक्त प्रदीप सिंह तोमर और मुनीष सिकरवार ने नागरिकों की शिकायतें सुनीं। वार्ड-60 स्थित विंडसर हिल निवासी डॉ. नीलम गुप्ता ने आवेदन देकर शिकायत की कि क्षेत्र में अवैध रूप से पेड़ों की कटाई की जा रही है। उन्होंने नगर निगम से इस मामले में कार्रवाई करने की मांग की। शिकायत पर अधिकारियों ने संबंधित विभाग को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। वार्ड-13 के तानसेन नगर दरगाह वाली रोड के रहवासियों ने शिकायत की कि सड़क पर डाली जा रही नई सीवर लाइन का पाइप सही ढंग से नहीं बिछाया गया है।

## 702 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

**ग्वालियर।** लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) में खेल प्रशिक्षक डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर खेल प्रशिक्षक डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित खेल दक्षता परीक्षा का दूसरा दिन मंगलवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। दूसरे दिन कुल 702 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कर 16 खेल विधाओं में अपने खेल कौशल, तकनीकी दक्षता तथा शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन किया। चयन प्रक्रिया में देश के विभिन्न राज्यों से आए अभ्यर्थी शामिल हुए। विशेषज्ञ चयन समिति निर्धारित मानकों के अनुसार सभी प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन कर रही है। प्रवेश प्रक्रिया का अंतिम चरण बुधवार को भी जारी रहेगा। इस अवसर पर संस्थान की कुलपति प्रो. कल्पना शर्मा ने अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एलएनआईपीई का लक्ष्य केवल उत्कृष्ट खिलाड़ी तैयार करना नहीं, बल्कि वैज्ञानिक प्रशिक्षण और गुणवत्तापूर्ण खेल शिक्षा के माध्यम से देश को कुशल, सक्षम एवं प्रशिक्षित खेल प्रशिक्षक उपलब्ध कराना भी है।

हेल्दी पेय

# मानसून में इम्यूनिटी बढ़ाएंगे ये 7 देसी पेय, स्वाद भी मिलेगा और सेहत भी

बारिश के मौसम में ज्यादातर लोग चाय की चुस्कियों का आनंद लेते हैं, लेकिन बार-बार चाय पीने से शरीर में कैफीन की मात्रा बढ़ सकती है और कई लोगों को एसिडिटी व डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। ऐसे में कुछ पौष्टिक और प्राकृतिक पेय न केवल शरीर को गर्माहट देते हैं, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और पाचन तंत्र को बेहतर रखने में भी मददगार साबित होते हैं।

### 1. अदरक-तुलसी का काढ़ा

अदरक और तुलसी से बना काढ़ा सर्दी, खांसी और गले की खराश से राहत दिलाने में मदद करता है। इसमें मौजूद प्राकृतिक तत्व रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं।

### 2. हल्दी वाला गर्म दूध

हल्दी वाला गर्म दूध शरीर में सूजन कम करने, अच्छी नींद लाने और संक्रमण से बचाव में सहायक माना जाता है। और शरीर में कहीं चोट है तो उसे ठीक करता है।

### 3. दालचीनी और शहद का गर्म पेय

दालचीनी और शहद का मिश्रण पाचन सुधारने, गले को आराम देने और शरीर को गर्म रखने में मदद करता है। ये बारिश के मौसम में बेहद आरामदायक होता है।

### 4. नींबू-शहद का गुनगुना पानी

यह पेय शरीर को हाइड्रेट रखता है, पाचन बेहतर बनाता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में सहायक होता है। दिनभर आपको फुर्तीला भी रखता है।

### 5. सौंफ और जीरे का पानी

सौंफ और जीरे से तैयार पेय गैस, अपच और पेट फूलने जैसी समस्याओं में राहत देने के साथ पाचन को बेहतर बनाता है। पेट की परेशानी दूर करता है।

### 6. बादाम का गर्म दूध

बादाम वाला दूध प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन-ई का अच्छा स्रोत है। यह शरीर को ऊर्जा देने और हड्डियों को मजबूत रखने में मदद करता है।

### 7. ताजा नारियल पानी

बारिश में भी यदि स्वच्छ और ताजा उपलब्ध हो तो नारियल पानी शरीर में पानी और आवश्यक खनिजों की कमी पूरी करने का अच्छा विकल्प है।

**निष्कर्ष**

बारिश के मौसम में अत्यधिक मीठे, ठंडे और कृत्रिम रंग वाले पेयों से बचें। किसी भी पेय का सेवन संतुलित मात्रा में करें। यदि आपको मधुमेह किडनी या अन्य गंभीर बीमारी है, तो अपने चिकित्सक की सलाह के अनुसार ही पेय पदार्थों का चयन करें।

# घुटनों के गठिया में राहत का नया तरीका

## चलने की शैली बदलने से कम हो सकता है दर्द

अध्ययन में दावा- पैरों के कोण में मामूली बदलाव से घुटनों पर दबाव घटा, कार्टिलेज को नुकसान की रफ्तार भी हो सकती है कम

घुटनों के गठिया (ऑस्टियोआर्थराइटिस) से पीड़ित मरीजों के लिए एक अध्ययन में राहत भरी जानकारी सामने आई है। शोधकर्ताओं के अनुसार, चलते समय पैरों के कोण में व्यक्ति के अनुरूप हल्का बदलाव करने से घुटनों पर पड़ने वाला दबाव कम हो सकता है। इससे दर्द में राहत मिलने के साथ-साथ जोड़ों के कार्टिलेज को होने वाले नुकसान की गति भी धीमी पड़ सकती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि चलते समय शरीर का अधिकांश भार घुटनों पर पड़ता है। यदि यह दबाव घुटने के अंदरूनी हिस्से पर अधिक केंद्रित हो, तो गठिया तेजी से बढ़ सकता है। ऐसे में पैरों को थोड़ा अंदर या बाहर की ओर रखकर चलने से प्रभावित हिस्से पर पड़ने वाला दबाव कम किया जा सकता है। हालांकि यह कोण प्रत्येक व्यक्ति के लिए अलग हो सकता है।

अध्ययन में घुटनों के गठिया से पीड़ित लोगों को उनकी शारीरिक स्थिति के अनुसार पैरों का कोण 5 या 10 डिग्री तक बदलकर चलने का अभ्यास कराया गया। इस तकनीक को फुट प्रोग्रेशन एंगल मॉडिफिकेशन कहा जाता है। इसका उद्देश्य घुटने के क्षतिग्रस्त हिस्से पर भार कम करना है।

लगभग एक वर्ष तक चले अध्ययन में शामिल प्रतिभागियों ने नियमित रूप से नए तरीके से चलने का अभ्यास किया। परिणामों में कई मरीजों के दर्द में उल्लेखनीय कमी देखी गई। कुछ मामलों में राहत का स्तर दवाओं के समान पाया गया। साथ ही, जांच में यह संकेत भी मिले कि कार्टिलेज को होने वाला नुकसान अपेक्षाकृत धीमा हो सकता है।

### विशेषज्ञों की सलाह

विशेषज्ञों का कहना है कि मरीज बिना सलाह के अपनी चाल में बदलाव न करें। यह तकनीक प्रत्येक व्यक्ति की शारीरिक स्थिति के अनुसार तय की जाती है। इसलिए चलने के तरीके में बदलाव करने से पहले अस्थि रोग विशेषज्ञ या फिजियोथेरेपिस्ट से परामर्श लेना आवश्यक है।

# क्या ज्यादा दूध पीने से हड्डियां कमजोर हो जाएंगी?

हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर यह दावा किया गया कि ज्यादा दूध पीने से हड्डियां कमजोर हो सकती हैं और ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ सकता है। हालांकि, हड्डी रोग विशेषज्ञ इस दावे को भ्रामक बताते हैं।

वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. वैभव कासोदेकर के अनुसार, यह भ्रम 'एसिड-ऐश हाइपोथिसिस' से जुड़ा है। इस सिद्धांत के अनुसार, डेयरी उत्पाद शरीर में अम्लता बढ़ाकर हड्डियों से कैल्शियम खींचते हैं। हालांकि, वैज्ञानिक शोध इसकी पुष्टि नहीं करते। इसके विपरीत पर्याप्त कैल्शियम के साथ लिया गया प्रोटीन हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। दूध और हड्डियों के घनत्व के बीच सकारात्मक संबंध देखा गया है। ऑस्टियोपोरोसिस के कई कारण होते हैं। मसलन, बढ़ती उम्र, रजोनिवृत्ति के बाद हार्मोनल बदलाव, विटामिन-डी, कैल्शियम की कमी, शारीरिक निष्क्रियता, धूम्रपान व शराब का सेवन व आनुवंशिक कारण आदि। मजबूत हड्डियों के लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और पर्याप्त धूप भी उतने जरूरी हैं।

# सबको सप्लीमेंट लेने की जरूरत नहीं...

यह सप्लीमेंट्स यानी अलग से पोषण लेने का दौर है खिलाड़ियों में ही नहीं, कोलेजन, पेप्टाइड्स, हायलूरोनिक एसिड जैसे सप्लीमेंट्स का चलन आम लोगों में भी बढ़ रहा है। हालांकि, हमारे शरीर की जरूरत क्या है और बाजार जो बेच रहा है, इसकी समझ जरूरी है। ज्यादातर स्वस्थ लोगों को इनकी जरूरत ही नहीं है।

फिटनेस की दुनिया में अब शरीर को चुस्त-दुरुस्त रखना ही लक्ष्य नहीं रह गया है। लोगों की दिलचस्पी ऐसी जीवनशैली में बढ़ रही है, जो उन्हें लंबे समय तक स्वस्थ और सक्रिय बनाए रख सके। इसी सोच ने कोलेजन, पेप्टाइड्स, हायलूरोनिक एसिड और टेस्टोस्टेरोन जैसे सप्लीमेंट्स का बाजार तेजी से बढ़ा दिया है। शैंपू, फेस वॉश, त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पादों में इन सप्लीमेंट्स का खूब इस्तेमाल हो रहा है। कंपनियां इन्हें जवान दिखने, बेहतर रिकवरी और लंबी उम्र का मंत्र बताकर बेच रही हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि स्वस्थ व्यक्ति के लिए इनमें से ज्यादातर सप्लीमेंट्स की जरूरत नहीं होगी। मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल की स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट पूजा उदेशी कहती हैं कि सप्लीमेंट्स की लोकप्रियता के पीछे लोगों की जल्दी नतीजे पाने की चाह सबसे बड़ी वजह है। सोशल मीडिया, सेलिब्रिटी प्रचार और आक्रामक मार्केटिंग ने इस बाजार को तेजी से बढ़ाया है।

### कोलेजन

कोलेजन शरीर में सबसे अधिक पाया जाने वाला संरचनात्मक प्रोटीन है। यह त्वचा, मांसपेशियों, हड्डियों, जोड़ों, लिगामेंट्स और अन्य संयोजी ऊतकों को मजबूती और लचीलापन देता है। हमारा शरीर मांस, दालें, सोया, डेयरी उत्पाद, मेवे और बीज जैसे प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थों से मिलने वाले अमीनो एसिड की मदद से खुद कोलेजन बनाता है। इसमें विटामिन-सी, जिंक और कॉपर जैसे पोषक तत्व भी जरूरी होते हैं। उम्र बढ़ने के साथ कोलेजन निर्माण कम होने लगता है, जिसका असर झुर्रियों, मांसपेशियों की कमजोरी और हड्डियों के कमजोर होने के रूप में दिखाई देता है।

### सबके लिए नहीं कोलेजन सप्लीमेंट

यदि कोई स्वस्थ व्यक्ति संतुलित और पर्याप्त प्रोटीन वाला भोजन कर रहा है, तो उसे इसके सप्लीमेंट लेने की जरूरत नहीं है। हालांकि, जिन लोगों की उम्र बढ़ रही है, जिनके भोजन में प्रोटीन कम है, जो खिलाड़ी लगातार शारीरिक दबाव में रहते हैं, चोट से उबर रहे हैं या त्वचा और जोड़ों को अतिरिक्त सहारा देना चाहते हैं, उनके लिए यह कुछ हद तक उपयोगी हो सकता है।

कोच अंश व्यास कहते हैं कि कोलेजन को किसी चमत्कारी उपाय की तरह नहीं देखें। अच्छी नींद, नियमित व्यायाम, पर्याप्त पानी, संतुलित आहार और पर्याप्त प्रोटीन स्वस्थ ढंग से उम्र बढ़ने की असली कुंजी है। न्यूट्रिशनिस्ट पूजा उदेशी कहती हैं कि सप्लीमेंट्स की लोकप्रियता के पीछे लोगों की जल्दी नतीजे पाने की चाह सबसे बड़ी वजह है। सोशल मीडिया, सेलिब्रिटी प्रचार और आक्रामक मार्केटिंग ने इस बाजार को तेजी से बढ़ाया है।

कल्ट फिट के ट्रांसफॉर्मेशन कोच अंश व्यास का दृष्टिकोण थोड़ा अलग है। उनका तर्क है कि आज के लोग पोषण की कमी को लेकर अधिक जागरूक और जानकार हैं। उपभोक्ता अब प्रोटीन की जरूरत, विटामिन-डी की कमी, आंतों की सेहत, सूक्ष्म पोषक तत्वों के असंतुलन और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के बारे में जागरूक हुए हैं। वे समझ रहे हैं कि खानपान का अनियमित तरीका, खराब नींद तथा लंबे समय तक बैठे रहने वाली दिनचर्या सेहत से जुड़ी समस्याएं बढ़ा सकती है। ऐसे माहौल में, सप्लीमेंट्स एक आसान समाधान की तरह काम करते हैं। इसी सोच ने एक ऐसा बाजार तैयार किया है, जहां सप्लीमेंट्स केवल बॉडीबिल्डिंग या खिलाड़ियों के लिए नहीं, रोजमर्रा की तंदुरुस्ती से जुड़ गए हैं।

### टेस्टोस्टेरोन

जिम जाने वाले युवाओं में टेस्टोस्टेरोन सबसे चर्चित हार्मोन है। यह हार्मोन पुरुषों की मांसपेशियों, हड्डियों, यौन सेहत, प्रजनन क्षमता, मानसिक सेहत व मेटाबॉलिज्म के लिए जरूरी है। महिलाओं में यह कम मात्रा में पाया जाता है और उनकी सेहत में इसकी अपनी भूमिका होती है। कोकिलाबेन अस्पताल के स्पोर्ट्स मेडिसिन विशेषज्ञ वैभव डागा के अनुसार, रोजाना संतुलित भोजन, पर्याप्त प्रोटीन, स्वस्थ वसा, जिंक, विटामिन-डी, मैग्नीशियम, नियमित व्यायाम, अच्छी नींद और वजन काबू रखने से टेस्टोस्टेरोन का स्तर सामान्य बना रहता है।

### बिना जांच न लें टेस्टोस्टेरोन सप्लीमेंट

जब तक जांच में टेस्टोस्टेरोन की कमी साबित न हो जाए, तब तक टेस्टोस्टेरोन सप्लीमेंट लेने की जरूरत नहीं है। बाजार में मिलने वाले अधिकांश बूस्टर प्रभावी साबित नहीं हुए हैं। बिना सलाह टेस्टोस्टेरोन लेने से पुरुषों में बाल झड़ना, स्तनों में सूजन, पैरों में सूजन, अनिद्रा, हार्मोनल असंतुलन, हृदय संबंधी समस्याएं और अंडकोष सिकुड़ने जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। वहीं महिलाओं में आवाज भारी होना, चेहरे पर बाल उगना, मुंहासे और लीवर से जुड़ी दिक्कतों का खतरा बढ़ता है।

### पेप्टाइड्स

वैज्ञानिक पत्रिका नेचर ने पेप्टाइड इंजेक्शन को वेलनेस की दुनिया का सबसे चर्चित ट्रेंड बताया है। वजन घटाने वाली नई दवाओं जैसे ओज़ेम्पिक और वेगोवी की लोकप्रियता के बाद पेप्टाइड्स भी चर्चा में आए हैं। आज इन्हें मांसपेशियां बढ़ाने, मेटाबॉलिज्म सुधारने, चोट से जल्दी उबरने और त्वचा युवा बनाए रखने के दावों के साथ बेचा जा रहा है। पेप्टाइड्स अमीनो एसिड की छोटी-छोटी श्रृंखलाएं होती हैं। ये हार्मोन बनने, ऊतकों की मरम्मत, सूजन कम करने, कोलेजन निर्माण, प्रतिरक्षा प्रणाली और कई अन्य जैविक प्रक्रियाओं में भूमिका निभाती हैं।

### हायलूरोनिक एसिड

आजकल शैंपू, फेसवॉश, क्रीम व कई सौंदर्य उत्पादों में हायलूरोनिक एसिड मिलाया जा रहा है। यह शरीर में कुदरती होता है, जो त्वचा व जोड़ों की नमी बनाए रखने में सहायक है। यह पानी को लंबे समय तक रोकने वाले स्पंज की तरह काम करता है। चमकदार व हाइड्रेटेड त्वचा के प्रति लोगों के बढ़ते आकर्षण ने इस सप्लीमेंट को बढ़ावा दिया है। अंश व्यास के अनुसार, त्वचा व जोड़ों को नमी के लिए सप्लीमेंट्स का इस्तेमाल किया जा सकता है, पर सामान्य स्थिति में यह जरूरी नहीं है, न इन पर ही निर्भर रहा जा सकता है।

**विशेषज्ञ बोले- लगातार बुखार, पाचन संबंधी परेशानी और नींद की समस्या में समय पर जांच व डॉक्टर की सलाह जरूरी**

# बार-बार बुखार को नजरअंदाज न करें, पहले वजह जानना जरूरी

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि बार-बार बुखार आना, लंबे समय तक पाचन संबंधी दिक्कतें बने रहना और लगातार नींद न आना ऐसी समस्याएं हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर जांच और चिकित्सकीय सलाह से इनका कारण पता लगाकर उचित उपचार किया जा सकता है।

### पाचन संबंधी समस्या पर सलाह

विशेषज्ञों के अनुसार, आंतों में सामान्य से अधिक गैस बनने की स्थिति को गैस फील्ड बाउल लूप्स कहा जाता है। यह समस्या गलत खानपान, अपच और लंबे समय तक कब्ज रहने के कारण हो सकती है।

संतुलित भोजन, पर्याप्त पानी, नियमित व्यायाम और अच्छी नींद से इसमें सुधार संभव है। यदि किसी खाद्य पदार्थ से एलर्जी हो तो उसका सेवन बंद कर देना चाहिए। तनाव भी पाचन तंत्र को प्रभावित करता है।

### नींद न आने के कारण

35 वर्ष की उम्र में लगातार नींद न आना या बार-बार नींद खुलना शरीर में विटामिन बी-12, विटामिन डी-3, मैग्नीशियम की कमी या थायरॉइड जैसी समस्याओं का संकेत हो सकता है। मानसिक तनाव भी इसकी बड़ी वजह बन सकता है। विशेषज्ञ शाम के बाद चाय-कॉफी से परहेज, सोने से पहले मोबाइल और टीवी का कम उपयोग, समय पर भोजन तथा नियमित सैर की सलाह देते हैं। समस्या बनी रहे तो चिकित्सक या मनोचिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए।

### बार-बार बुखार आने पर क्या करें?

यदि दो महीने या उससे अधिक समय से बार-बार बुखार आ रहा है और दवा लेने के बाद ही उतरता है, तो इसकी वजह जानना बेहद जरूरी है। विशेषज्ञों के अनुसार, बुखार अक्सर किसी संक्रमण का संकेत होता है। कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली के कारण भी व्यक्ति बार-बार संक्रमण की चपेट में आ सकता है। ऐसे में डॉक्टर की सलाह लेकर आवश्यक जांच करानी चाहिए, ताकि बीमारी का सही कारण पता चल सके और समय पर उपचार शुरू किया जा सके।

# सांस के मरीज भी कर सकते हैं पहाड़ों की सैर, लेकिन सावधानियों के साथ

फेफड़ों की बीमारी नियंत्रित हो और डॉक्टर की सलाह ली जाए तो ऊंचाई वाले क्षेत्रों की यात्रा हो सकती है सुरक्षित

**नई दिल्ली।** सांस संबंधी बीमारियों से जूझ रहे लोगों के मन में अक्सर यह सवाल रहता है कि क्या वे लद्दाख, स्पीति या कश्मीर जैसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों की यात्रा कर सकते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि फेफड़ों की बीमारी नियंत्रित है, आवश्यक जांच कराई गई है और यात्रा के दौरान सावधानी बरती जाए, तो ऐसे स्थानों की यात्रा सुरक्षित हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, ऊंचाई बढ़ने के साथ हवा में ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है। इससे स्वस्थ लोगों को भी सांस फूलना, थकान, सिरदर्द और एल्टीट्यूड सिकनेस जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

ऐसे में दमा या सीओपीडी के मरीजों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता होती है। यदि ऑक्सीजन स्तर सामान्य है और बीमारी नियंत्रण में है, तो यात्रा संभव है।

एक मरीज का उदाहरण देते हुए डॉक्टर बताते हैं कि उचित तैयारी, आवश्यक जांच, दवाओं की उपलब्धता और धीरे-धीरे ऊंचाई पर चढ़ने जैसी सावधानियों के कारण उसने बिना किसी बड़ी परेशानी के लद्दाख की यात्रा पूरी की। यात्रा से पहले डॉक्टर मरीज के लक्षण, फेफड़ों की कार्यक्षमता, यात्रा की अवधि और गंतव्य की ऊंचाई का आकलन करते हैं। जरूरत पड़ने पर पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट भी कराया जाता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि फेफड़े कम ऑक्सीजन वाले वातावरण का सामना कर पाएंगे।

### यात्रा के दौरान रखें ये सावधानियां

- यात्रा से पहले चिकित्सकीय जांच और डॉक्टर की सलाह जरूर लें।
- सभी जरूरी दवाएं और इनहेलर साथ रखें।
- ऊंचाई पर धीरे-धीरे चढ़ें और शरीर को अनुकूल होने का समय दें।
- पर्याप्त पानी पिएं और अत्यधिक शारीरिक मेहनत से बचें।
- सांस अधिक फूलने, लगातार खांसी, सीने में दर्द, चक्कर या तेज थकान होने पर तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें।
- जो मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं, वे यात्रा से पहले फिट-टू-फ्लाई जांच कराएं और गंतव्य पर ऑक्सीजन की व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- इन्फ्लूएंजा व निमोनिया के टीके लगवाने से संक्रमण का खतरा कम कर सकते हैं।

**फुटबॉल विश्वकप : स्पेन ने 1-0 से हराया, मेजबान अमेरिका को बेल्जियम ने 4-1 से पराजित किया**

# रोनाल्डो की टीम पुर्तगाल बाहर

एजेंसी, आर्लिंग्टन (टेक्सास)

स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानों रोनाल्डो की टीम पुर्तगाल और मेजबान अमेरिका फुटबॉल वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है। मंगलवार को दिन के पहले मैच में पुर्तगाल को स्पेन ने 1-0 से हराया। जबकि, अमेरिका ने बेल्जियम ने 4-1 के बड़े अंतर से हराया। 41 साल के रोनाल्डो अपने करियर का आखिरी वर्ल्ड कप खेल रहे थे। डलास स्टेडियम से बाहर जाते समय फैंस ने खड़े होकर उन्हें सम्मान किया। उन्होंने गंभीर चेहरे के साथ फैंस का अभिवादन किया, इससे यह साफ था कि वे अपने वर्ल्ड कप करियर का अंत जीत के साथ करना चाहते थे। धर, सिएटल स्टेडियम में मेजबान अमेरिका पर डिफेंस की गलतियां भारी पड़ी। बेल्जियम के चार्ल्स डी केटेलारे ने डबल गोल किए। उन्होंने एक गोल करने में मदद भी की। 57वें मिनट में गोलकीपर मैट फ्रीज की बड़ी गलती मैच का निर्णायक मोड़ साबित हुई।

### स्पेन ने लगातार छठे मैच में गोल नहीं खाया, यह वर्ल्ड रिकॉर्ड

स्पेन वर्ल्ड कप इतिहास में लगातार सबसे अधिक मैचों तक गोल नहीं खाने वाली टीम बन गई। स्पेन ने लगातार छठे मैच में गोल नहीं खाया है। स्पेन ने इटली (1990) और स्विट्जरलैंड (2006-10) का रिकॉर्ड तोड़ दिया। दोनों टीमों ने लगातार 5-5 वर्ल्ड कप मैचों में कोई गोल नहीं खाया था। स्पेन की क्लीन शीट का सिलसिला 2022 वर्ल्ड कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में मोरक्को के खिलाफ 0-0 ड्रॉ से शुरू हुआ था। हालांकि, उस मैच में मोरक्को पेनल्टी शूटआउट में आगे बढ़ गया था। मौजूदा वर्ल्ड कप में स्पेन ने ग्रुप चरण में केप वर्डे के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला, जिसके बाद लगातार चार मैचों में क्लीन शीट रखते हुए

### गोलकीपर सिमोन ने तोड़ा 35 साल पुराना रिकॉर्ड

29 साल के गोलकीपर उनाई सिमोन ने लगातार 609 मिनट तक गोल नहीं खाकर वर्ल्ड कप का नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने ऑस्ट्रिया के खिलाफ नॉकआउट मुकाबले में इटली के दिग्गज गोलकीपर वाल्टर जेंगा का 517 मिनट का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा था। सिमोन ने 2022 वर्ल्ड कप में जापान के खिलाफ 2-1 गोल खाया था। सिमोन ने पुर्तगाल के खिलाफ पहले हाफ में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो प्रयास विफल किए। इनमें एक शानदार डाइविंग सेव भी शामिल रही, जब उन्होंने हवा में रहते हुए दोनों हाथों से गेंद को पकड़ लिया। स्पेन अब इसी मजबूत डिफेंस के दम पर वर्ल्ड कप खिताब की दौड़ में सबसे मजबूत दावेदारों में शामिल हो गया है।

### रोनाल्डो ने 2006 में खेला था पहला वर्ल्ड कप

रोनाल्डो ने 2006 वर्ल्ड कप में डेब्यू किया था। उसी टूर्नामेंट में पुर्तगाल को सेमीफाइनल तक पहुंचाया, जो उनके वर्ल्ड कप करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। 2018 वर्ल्ड कप में स्पेन के खिलाफ ग्रुप मुकाबले में उन्होंने यादगार हैट्रिक लगाई थी। 3-3 से समाप्त हुआ वह मैच वर्ल्ड कप इतिहास के सबसे रोमांचक मुकाबलों में गिना जाता है।

# बेल्जियम ने अमेरिका को 4-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

**सिएटल।** चार्ल्स डी केटेलेयर के शानदार दो गोल और एक असिस्ट की बदौलत बेल्जियम ने मंगलवार को मेजबान अमेरिका को 4-1 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। ल्यूमेन फील्ड में खेले गए राउंड ऑफ-16 मुकाबले में बेल्जियम ने अमेरिकी टीम की रक्षापंक्ति की कमजोरियों का पूरा फायदा उठाया और लगातार दूसरी बार विश्व कप के नॉकआउट चरण में अमेरिका को बाहर कर दिया। बेल्जियम ने मुकाबले की तेज शुरुआत की और आठवें मिनट में डी केटेलेयर ने टीम को बढ़त दिला दी। अमेरिका ने 31वें मिनट में मलिक टिलमैन के शानदार फ्री-किक गोल से बराबरी कर ली, लेकिन बेल्जियम ने महज 61 सेकंड बाद फिर बढ़त हासिल कर ली। डी केटेलेयर ने दूसरा गोल दागकर अमेरिका की वापसी की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया। दूसरे हाफ में अमेरिकी गोलकीपर मैट फ्रीस की बड़ी गलती का बेल्जियम ने पूरा फायदा उठाया। चार्ल्स डी केटेलेयर के दबाव में फ्रीस गेंद पर नियंत्रण खो बैठे और हैंस वानाकेन ने 57वें मिनट में तीसरा गोल कर टीम को 3-1 की मजबूत बढ़त दिला दी। इंजरी टाइम के तीसरे मिनट में स्थानापन्न रोमेलु लुकाकू ने चौथा गोल कर बेल्जियम की जीत पर मुहर लगा दी। अमेरिका को स्टार स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन की वापसी से मजबूती मिली थी। उनका एक मैच का रेड कार्ड निलंबन फीफा ने विवादास्पद तरीके से हटा दिया था, लेकिन टीम इसका फायदा नहीं उठा सकी। वहीं कप्तान क्रिश्चियन पुलिसिक दूसरे हाफ में पैर में चोट लगने के कारण मैदान छोड़ने पर मजबूर हुए। यह विस्तारित 48 टीमों वाले विश्व कप में अमेरिका का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा, जहां उसने

# अफगानिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज जादरान का निधन

- ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में अंतिम सांस ली

एजेंसी, नई दिल्ली

अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शापूर जादरान का मंगलवार को भारत में निधन हो गया। वे 38 साल के थे और बुधवार को उनका 39वां जन्मदिन था। वे लंबे समय से हेमोफैगोसिटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस नाम की दुर्लभ बीमारी से जूझ रहे थे।

### बोर्ड ने दी श्रद्धांजलि

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सोशल मीडिया पर शापूर जादरान के निधन की पुष्टि करते हुए शोक जताया। बोर्ड ने कहा कि पूर्व तेज गेंदबाज के निधन से अफगान क्रिकेट ने अपना एक अहम खिलाड़ी खो दिया है। उनके निधन की खबर के बाद क्रिकेट जगत में शोक है।

### अफगानिस्तान क्रिकेट को नई पहचान दिलाई

शापूर जादरान अफगानिस्तान के उन शुरुआती खिलाड़ियों में शामिल थे, जिन्होंने देश के क्रिकेट को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। अपनी तेज लेफ्ट आर्म गेंदबाजी और आक्रामक अंदाज के लिए पहचाने जाने वाले शापूर ने 2009 से 2020 के बीच अफगानिस्तान के लिए 80 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। इनमें 44 वनडे और 36 टी-20 मैच शामिल रहे। अफगानिस्तान को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के मुख्य मंच तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

# कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम की नई किट लॉन्च

**नई दिल्ली।** कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम की नई किट लॉन्च की गई है। दिल्ली में हुए कार्यक्रम में भारतीय ओलंपिक संघ की प्रेसिडेंट पीटी उषा ने भारतीय दल के लिए किट लॉन्च की। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा- 'यह सिर्फ एक यूनिफॉर्म नहीं, बल्कि एक नए सफर की शुरुआत है। इसमें खिलाड़ी 1.4 अरब भारतीयों की उम्मीदें लेकर जा रहे हैं। पीटी उषा ने एथलीटों से कहा- 'चाहे आप पोडियम पर खड़े हों या नहीं, बस अपना बेस्ट दें।' ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स स्कॉटलैंड में 23 जुलाई से 2 अगस्त तक खेला जाएगा। इसमें 124 सदस्यीय भारतीय टीम शामिल होगी।

# विम्बलडन में 23 साल के फेरी ने दिमित्रोव को हराया

**लंदन।** ऑल इंग्लैंड क्लब में खेले जा रहे विम्बलडन 2026 में सोमवार को कई चौंकाने वाले नतीजे देखने को मिले। मेंस सिंगल्स में ब्रिटेन के 23 साल के वाइल्डकार्ड खिलाड़ी आर्थर फेरी ने पूर्व वर्ल्ड नंबर-3 ग्रिगोर दिमित्रोव को पांच सेट तक चले मुकाबले में 7-5, 3-6, 4-6, 6-4, 7-6 (10-7) से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। 2014 में निक किर्गियोस के बाद वे अंतिम-8 में पहुंचने वाले पहले वाइल्डकार्ड खिलाड़ी बने हैं। महिला सिंगल्स में इटली की जैस्मीन पाओलिनी और मेंस डबल्स में ब्रिटेन की जूलियन कैश-लॉयड ग्लासपूल की जोड़ी ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

### फेरी 26 हफ्ते पहले चोटिल हुए, अब क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

आर्थर फेरी के लिए यह सफर किसी सपने से कम नहीं रहा। पांच जनवरी को कैनबरा चैलेंजर के क्वालिफाइंग मुकाबले में कोहनी की चोट के कारण उन्हें टूर्नामेंट छोड़ना पड़ा था। एक समय वे ठीक से सर्विस भी नहीं कर पा रहे थे, लेकिन 26 हफ्ते बाद सेंटर कोर्ट पर 14 हजार से ज्यादा दर्शकों के सामने उन्होंने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की।

### पाओलिनी ने ईला की चुनौती खत्म की

महिला सिंगल्स में 2024 की फाइनलिस्ट जैस्मीन पाओलिनी ने फीलीपींस की 21 साल की एलेक्जेंड्रा ईला को 6-4, 4-6, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

# प्रो बॉक्सिंग लीग : आंध्र वॉरियर्स और पंजाब फाइटर्स के बीच भिड़ंत

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन (आईएबीएफ) के तत्वावधान में आयोजित प्रो बॉक्सिंग लीग का रंगारंग शुभारंभ सोमवार को नई दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में हुआ। उद्घाटन समारोह के बाद लीग का पहला मुकाबला आंध्र वॉरियर्स और पंजाब फाइटर्स के बीच खेला गया, जिसमें खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचक मुक्केबाज़ी का शानदार अनुभव कराया। इससे पहले दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। समारोह में सांसद जगदंबिका पाल, भाजपा के राष्ट्रीय सह-मीडिया प्रभारी संजय मयूख, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, विधायक अशोक गोयल देवराहा, पूर्व महापौर जयप्रकाश (जेपी) सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में खिलाड़ियों के आकर्षक मार्च-पास्ट, 'मुक्का मार' थीम सॉन्ग पर प्रस्तुति तथा सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ ने पूरे स्टेडियम का माहौल उत्साह और देशभक्ति से भर दिया। चारों फ्रेंचाइज़ी टीमों के खिलाड़ियों ने निष्पक्ष खेल और खेल भावना की शपथ ली, जबकि रेफरी और जजों ने अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप मुकाबलों के संचालन का संकल्प लिया। आईएबीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि प्रो बॉक्सिंग लीग का उद्देश्य देश में बॉक्सिंग को नई पहचान देना और 2036 ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए नई प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का चयन पूरी तरह प्रतिभा और प्रदर्शन के आधार पर किया गया है

श्रीलंका 142 रन से आगे, दूसरी पारी में श्रीलंका का स्कोर 92/2

# वेस्टइंडीज की पहली पारी में 499 रन, ग्रीव्स ने 180 रन बनाए

एजेंसी, नई दिल्ली

श्रीलंका और वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे टेस्ट मैच के चौथे दिन का खेल खत्म होने तक श्रीलंका ने बढ़त मजबूत कर ली। वेस्टइंडीज की पहली पारी 499 रन पर समेटने के बाद श्रीलंका ने दूसरी पारी में 2 विकेट पर 92 रन बना लिए। पहली पारी में मिली 50 रन की बढ़त के साथ उसकी कुल बढ़त 142 रन की हो गई है। स्टंप्स के समय कामिंदु मेंडिस 30 और दिनेश चंडीमल 40 रन बनाकर नाबाद थे।

### कामिंदु-चंडीमल ने पारी संभाली

श्रीलंका की दूसरी पारी की शुरुआत खराब रही। पहली पारी में शतक लगाने वाले लाहिरू उदारा इस बार बिना खाता खोले शमर जोसेफ की इनस्विंग गेंद पर LBW हो गए। इसके बाद निशान मदुष्का और दिनेश चंडीमल ने 30 रन जोड़े, लेकिन मदुष्का 15 रन बनाकर अलजारी जोसेफ की गेंद पर पहली स्लिप में जॉन कैंपबेल को कैच दे बैठे।

### जस्टिन ग्रीव्स 180 रन बनाकर लौटे

जस्टिन ग्रीव्स ने 325 गेंदों में 180 रन की शानदार पारी खेली। जस्टिन ग्रीव्स प्रभात जयसूर्या का शिकार बने। इसके बाद मिलन रथनायके ने अलजारी जोसेफ का विकेट लेकर वेस्टइंडीज की पहली पारी 499 रन पर समेट दी।

# एशियन गेम्स के लिए क्वालीफाई 22 खिलाड़ियों से मिले सारंग

खेल संवाददाता, भोपाल

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंगलवार को टी.टी. नगर स्टेडियम में आगामी एशियन गेम्स के लिए क्वालीफाई करने वाले मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों से उनकी तैयारियों, प्रशिक्षण, फिटनेस और आगामी प्रतियोगिताओं को लेकर चर्चा की तथा पूरी निष्ठा और आत्मविश्वास के साथ देश का प्रतिनिधित्व करने का आह्वान किया। मंत्री सारंग ने कहा कि एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय आयोजन के लिए प्रदेश के 22 खिलाड़ियों का चयन पूरे मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है। यह खिलाड़ियों की मेहनत, प्रशिक्षकों के समर्पण और प्रदेश सरकार की खेल विकास नीतियों का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रदर्शन कर भारत के लिए अधिक से अधिक पदक जीतेंगे और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को आधुनिक खेल अधोसंरचना, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, खेल विज्ञान, पोषण, आवास और अन्य विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार की प्राथमिकता प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को हर स्तर पर आवश्यक सहयोग और बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। मंत्री सारंग ने खिलाड़ियों से अनुशासन, समर्पण और सकारात्मक सोच के साथ तैयारी जारी रखने का आग्रह किया। उन्होंने प्रशिक्षकों और खेल विभाग के अधिकारियों के योगदान की भी सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन के कारण मध्यप्रदेश के खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि आगामी एशियन गेम्स के लिए मध्यप्रदेश के 22 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में क्वालीफाई किया है। इनमें एथलेटिक्स, शूटिंग, रायफल, शॉटगन, कैनो स्लालम, कैनोइंग, कायाकिंग, क्लाउड जूडो और घुड़सवारी जैसी खेल विधाओं के खिलाड़ी शामिल हैं। इस अवसर पर खेल विभाग के सचिव संजीव सिंह, संचालक अंशुमन यादव, उपसचिव अजय श्रीवास्तव, वरिष्ठ अधिकारी, प्रशिक्षक एवं खेल

# व्हाट्सएप लिंक पर क्लिक करते ही खाते से निकल गए 65 हजार रुपए

## बैंक कर्मचारी बताकर योनो एसबीआई एप डाउनलोड करने का दिया झांसा, पुलिस ने जांच शुरू की

**भोपाल (नगर संवाददाता)**

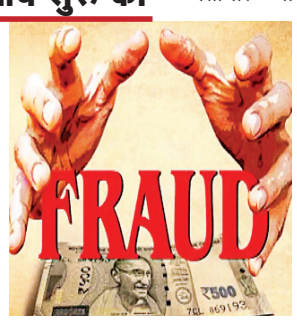


कोहेफिजा इलाके में योनो एसबीआई एप डाउनलोड कराने के नाम पर एक व्यक्ति से 65 हजार रुपए की ऑनलाइन ठगी कर ली गई। लालघाटी स्थित ओम शिव नगर फेस-2 में रहने वाले रणवीर सिंह कुशवाह (55) ने बताया कि 30 जून की शाम करीब 4.30 बजे उनके व्हाट्सएप पर एक अज्ञात नंबर से राहुल मिश्रा नाम से योनो एसबीआई डाउनलोड करने का लिंक भेजा गया। इसके कुछ देर बाद दूसरे मोबाइल नंबर से कॉल आया, जिसमें कॉल करने वाले ने खुद को एसबीआई बैंक का कर्मचारी बताया। आरोपी ने रणवीर सिंह से कहा कि वह योनो एसबीआई सेवा शुरू करना चाहते हैं तो भेजे लिंक पर क्लिक कर प्रक्रिया पूरी करें। भरोसे में आकर उन्होंने लिंक खोला और आरोपी के कहने पर फोनपे से संबंधित जानकारी भर दी। इसके तुरंत बाद उनके बैंक खाते से तीन अलग-अलग ट्रांजेक्शन में 48 हजार, 12 हजार रुपए और 5 हजार रुपए निकाल लिए गए। ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ साइबर धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए वैल्यू एडेड कोर्स का चयन अनिवार्य

**भोपाल।** राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए वैल्यू एडेड कोर्स, संवैधानिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्य तथा पर्यावरण शिक्षा एवं स्थिरता आधारित पाठ्यक्रमों का चयन अनिवार्य किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी करीकुलम एण्ड क्रेडिट फ्रेमवर्क फॉर पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम्स (सीसीएफपीजी), जून-2024 तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के नवीन अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक स्नातकोत्तर विद्यार्थी को द्वितीय सेमेस्टर में 2 क्रेडिट पॉइंट का एक वैल्यू एडेड पाठ्यक्रम लेना होगा। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न विषय समूहों अंतर्गत पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें रोजगार एवं उद्यमिता कौशल, योग एवं ध्यान द्वारा तनाव प्रबंधन, पर्यावरण मनोविज्ञान, शोध लेखन कौशल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिजनेस एथिक्स, बिजनेस एनालिटिक्स, नवाचार एवं उद्यमिता जैसे विषय शामिल हैं।

# किसान को चाकू मारकर नकदी छीनी

## घटना से पूर्व मांगी थी लिफ्ट, हथियार के साथ नाबालिग को दबोचा

**भोपाल (नगर संवाददाता)**

परवलिया सड़क इलाके में सोमवार रात चाकू मारकर किसान को लूट लिया गया। हमले में चाकू का वार गर्दन के पास लगने से किसान जख्मी हैं। पुलिस ने लूट का मामला दर्ज करके वारदात करने वाले नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार सुनील उर्फ बबलू पाल पिता हरिप्रसाद पाल उम्र 45 साल परवलिया गांव में रहते हैं। वह किसानी का काम करते हैं। लूट की घटना सोमवार रात लगभग साढ़े आठ बजे हुई थी। वे अपनी मोटर साइकिल से गांधी नगर में स्थित बेटे को लेने जा रहे थे। तभी एक नाबालिग ने हाथ देकर उनसे लिफ्ट मांगी थी। कुछ दूर जाकर सुनील उर्फ बबलू पाल लघुशंका करने रूक गए। तभी नाबालिग पीछे से आया और उसने चाकू अड़ा दिया। उसने किसान के जेब में रखे 4800 रुपए छीन लिए। विरोध करने पर हुए संघर्ष के दौरान नाबालिग ने चाकू से वार करके गर्दन में प्रहार कर दिया। किसान को गंभीर हालत में समृद्धि अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से पुलिस को घटना की जानकारी मिली थी। पुलिस ने लूट का प्रकरण दर्ज करके आस-पास तलाश की तो गुमठी के नजदीक वह बचता नजर आया।

### कबूला गुनाह

संदेह होने पर उसे हिरासत में लिया तो उसने वारदात को करना कबूला। नाबालिग राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ तहसील का रहने वाला है और उसकी उम्र 17 साल है। उसने पूछताछ में बताया है कि उसे पैसों की आवश्यकता थी। इसलिए लूट करने की योजना बनाई थी। वह लिफ्ट लेते हुए राजगढ़ से भोपाल आ गया था। इस दौरान उसने कई लोगों से लिफ्ट मांगी। लेकिन, सबसे ज्यादा किसान के पास पैसा होने का संदेह होने पर घटना को उसने अंजाम दिया।

### बिजली कर्मी ने फांसी लगाई

**भोपाल।** पिपलानी में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। पुलिस को किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है। वह बिजली बनाने और सुधारने का काम करता था। पुलिस के अनुसार घटना आनंद नगर इलाके में हुई। यहां 26 वर्षीय राजू सोनी ने सोमवार शाम छह बजे फांसी लगाई थी। उसको सबसे पहले बड़े भाई उत्तम सोनी ने फंदे पर लटका देखा था। उसे फंदे से उतारकर पटेल नगर में गायत्री अस्पताल ले जाया गया।

### मोटर साइकिल और कार को मारी टक्कर

**भोपाल (नगर संवाददाता)**

बरासया म ावादशा स भापाल जा रही तेज रफ्तार बोलेरो की गति ने कई लोगों को सहमा दिया। वाहन के चालक ने आधा किलो मीटर के अंतर में एक-एक करके दो वाहनों को टक्कर भी मारी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया है कि वह पहले भी कई अन्य वाहनों से टकराते हुए भाग रहा था।

पुलिस ने आरोपी वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाकर टक्कर मारने और वाहनों को नुकसान पहुंचाने का प्रकरण दर्ज कर लिया है। घटना मंगलवार सुबह दस बजे हुई थी। बोलेरो एमपी-04-सीएन-4191 ने पहले मोटर साइकिल एमपी-04-वायडब्ल्यू-6707 को टक्कर मारी थी। इसके मालिक अर्जुन सिंह पिता रामसिंह पारदी उम्र 40 साल हैं। वे विदिशा के रहने वाले हैं। वह हाट बाजार में दुकान चलाते हैं। घटना के वक्त वह सड़क किनारे अपनी मोटर साइकिल खड़ी करके गोलू साहू की दुकान में जा रहे थे। तभी बोलेरो आई उसने टक्कर मारी। जिस कारण वह हवा में उछली और सड़क किनारे खंती में जाकर गिर गई।

### मप्र लोक सेवा आयोग में पांच विभागों की हुई डीपीसी

# जल्दी जारी होगी एक हजार अधिकारियों की पद्दोन्नति सूची, मंथन देर रात तक चला

- स्कूल शिक्षा, नगरीय प्रशासन, राज्य कर्मचारी, खाद्य नागरिक और श्रम विभाग शामिल

**भोपाल (नगर संवाददाता)**

राज्य शासन के अधिकारियों और कर्मचारियों की पद्दोन्नति प्रक्रिया के जारी आदेश के क्रम में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के दफ्तर में मंगलवार को देर रात तक पांच विभागों की विभागीय कार्य समिति डीपीसी बैठक हुई। करीब एक हजार से अधिक अधिकारी और कर्मचारियों की पदोन्नति के लिए प्रक्रिया पूरी की गयी। आयोग के अनुसार बुधवार या गुरुवार को उक्त विभागों के अधिकारियों की सूची जारी कर दी जाएगी।

आयोग के अधिकारी डॉ रविद्र पंचभई के अनुसार आज प्रदेश के स्कूल शिक्षा, नगरीय प्रशासन, राज्य कर्मचारी, खाद्य नागरिक और श्रम विभाग के अधिकारियों की डीपीसी हुई। इन अधिकारियों में स्कूल शिक्षा से संयुक्त संचालक, सहायक संचालक, खाद्य विभाग से सहायक खाद्य अधिकारी, खाद्य निरीक्षक, खाद्य नियंत्रक, नगरीय प्रशासन से मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रेणी एक और दो, श्रम विभाग से श्रमायुक्त, सहायक श्रमायुक्त के अलावा राज्य कर्मचारी विभाग सामान्य प्रशासन से एक और दो श्रेणी के अधिकारी शामिल है।

आयोग के सूत्रों के अनुसार डीपीसी की बैठक देर रात तक चली। इससे पहले सोमवार को जिन 450 डिप्टी कलेक्टर और तहसीलदारों की डीपीसी हुई थी। उनके प्रमोशन सूची मंगलवार को जारी हो चुके हैं।

### सीएमएचओ और औषधि प्रकशासन के औचक निरीक्षण में मिली नियमों की अनदेखी

# तीन मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निरस्त आठ निलंबित और 21 को नोटिस

- बिना चिकित्सक की पर्ची के दवा बेचना पड़ा भारी, भोपाल में मेडिकल स्टोर्स पर बड़ी कार्रवाई

**भोपाल (नगर संवाददाता)**

भोपाल जिले में बिना चिकित्सकीय सलाह के दवा बेचना और फार्मासिस्ट के बिना मेडिकल स्टोर संचालित करने वालों पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। औचक निरीक्षण में गंभीर अनियमितताएं मिलने के बाद 32 मेडिकल स्टोर्स के खिलाफ कार्रवाई की गई। इनमें तीन मेडिकल स्टोर्स के लाइसेंस निरस्त, आठ के लाइसेंस निलंबित किए गए, जबकि 21 संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

जांच में आनंद नगर स्थित श्रीराम ट्रेडर्स पर बिना डॉक्टर की पर्ची शेड्यूल एच 1 दवाओं की बिक्री का मामला सामने आया, जबकि शोवा मेडिकल (आनंद नगर) और तिरुपति मेडिकल स्टोर (हताईखेड़ा) में फार्मासिस्ट के बिना दवा बिक्री की जा रही थी। इन तीनों मामलों में लाइसेंस निरस्त कर दिए गए। अधिकारियों का कहना है कि मरीजों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।सीएमएचओ एवं उपसंचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन डॉ. मनीष शर्मा ने कहा कि शेड्यूल एच और एच 1 श्रेणी की दवाएं केवल पंजीकृत चिकित्सक के प्रिस्क्रिप्शन पर ही बेची जा सकती हैं। साथ ही प्रत्येक मेडिकल स्टोर पर योग्य फार्मासिस्ट की मौजूदगी अनिवार्य है। नियमों के उल्लंघन पर औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

### आठ संस्थान पहले ही सील, सभी संचालकों को सुरक्षा मानकों का रोडमैप सौंपा

# आग से सुरक्षा के इतंजाम किये बिना नहीं चलेंगी राजधानी में कोचिंग

**भोपाल (नगर संवाददाता)**

राजधानी में कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नगर निगम ने मंगलवार को नगर निगम मुख्यालय में अपर आयुक्त तन्मय वशिष्ठ और उपायुक्त भुवन गुप्ता ने कोचिंग संचालकों और भवन मालिकों के साथ बैठक कर कहा कि अब फायर सेफ्टी और भवन सुरक्षा से जुड़े नियम पूरे किए बिना किसी भी कोचिंग संस्थान का संचालन नहीं होने दिया जाएगा।

### निगम की नई अनिवार्य शर्तें

- फिक्स फायर फाइटिंग सिस्टम और ऑटो डिटेक्शन सिस्टम।
- कम से कम 10 हजार लीटर पानी की व्यवस्था।
- दो इमरजेंसी एग्जिट।
- बेसमेंट का उपयोग केवल पार्किंग या स्टोर के लिए।
- हर वर्ष फायर ऑडिट और इलेक्ट्रिक सेफ्टी सर्टिफिकेट।
- प्रत्येक तीन माह में मॉक ड्रिल।
- स्टाफ और सिक्योरिटी गार्ड को फायर सेफ्टी प्रशिक्षण।
- 300 से अधिक क्षमता वाले संस्थानों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था।

### अब तक की कार्रवाई

- 8 कोचिंग संस्थान सील।
- 15 दिन में कमियां दूर करने के निर्देश।
- शपथ पत्र के आधार पर होगी अगली जांच।

### 15 दिन में सुधार नहीं तो कार्रवाई

निगम ने सभी संचालकों के सामने सुरक्षा से जुड़ी अनिवार्य शर्तें रख दी हैं और स्पष्ट कर दिया है कि निर्धारित समय में कमियां दूर नहीं होने पर कार्रवाई होगी। अब तक आठ कोचिंग संस्थानों को सील किया जा चुका है।इसलिए फायर एग्जिट, ऑटोमैटिक फायर सिस्टम, पर्याप्त पानी की व्यवस्था, इमरजेंसी निकास, इलेक्ट्रिक सेफ्टी और नियमित मॉक ड्रिल जैसे सभी मानकों का पालन अनिवार्य होगा। निगम ने संचालकों से शपथ पत्र लेकर यह भी तय करने को कहा है कि उनके संस्थान में कौन-कौन सी कमियां हैं और उन्हें कब तक दूर किया जाएगा। इसके बाद निगम की टीम दोबारा निरीक्षण करेगी और नियमों का पालन नहीं मिलने पर संस्थान के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

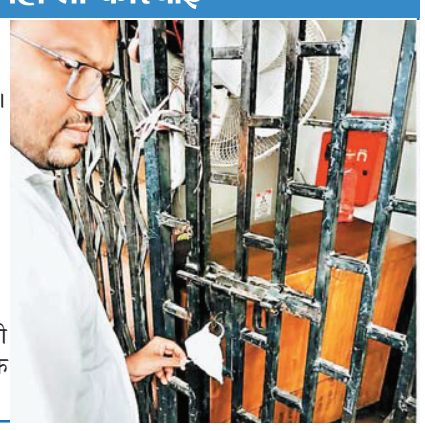

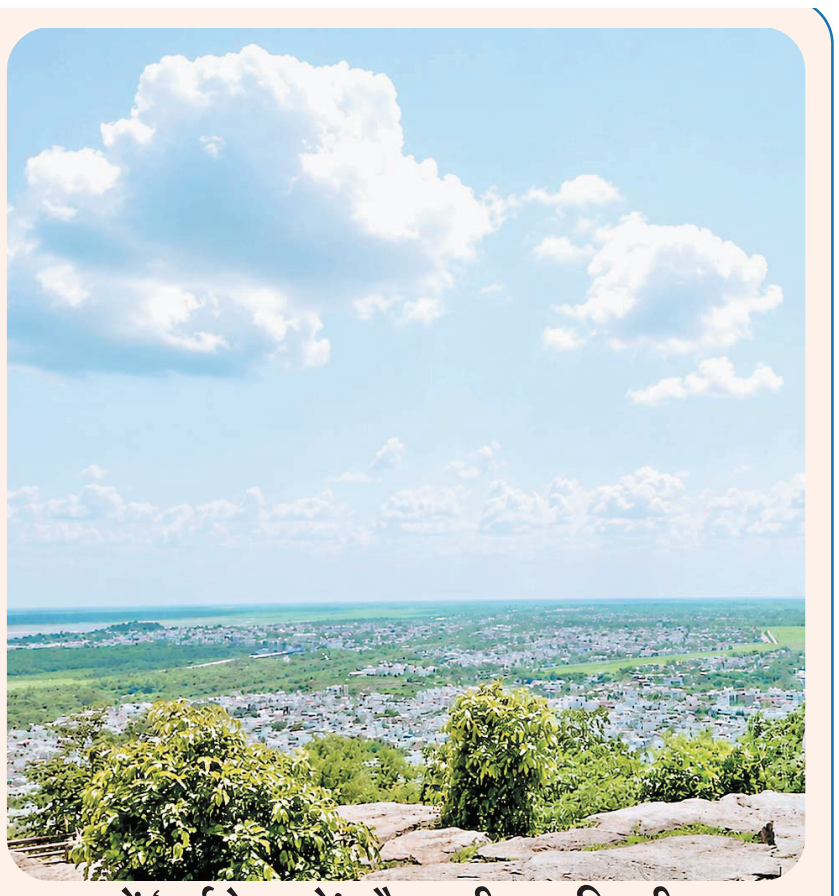

### आकाश में 'रूई के फाहे' और धरती पर हरियाली का जादू

मनुआ भान की टेकरी की ऊंची चट्टान पर खड़े होते ही लगता है, जैसे समय एक पल को थम गया हो। ऊपर नीलवर्णी आकाश में बादलों के सफेद गुच्छे रुई के ढेर से तैर रहे हैं। बड़े प्रयास के बाद निकल पा रही धूप उनकी कोरें सुनहरी कर रही है। हवा में मिट्टी और पत्तों की मिली-जुली सोंधी गंध है, जो सीधे मन तक उतर जाती है। धरती पर हरियाली की चादर, बादलों का आंचल, और भोपाल का मनोरम दृश्य, मन मोहने वाला महसूस होता है। टेकरी पर हर सांस कविता सी बनती महसूस हुई। इन दिनों भोपाल में मानसून चरम पर है। कपासी मेघ जमकर बरस रहे हैं। रुई की मानिंद ये भारी भरकम कपासी बादल जब उड़ते चले जाते हैं। इसके बाद इनसे ऊपर बादलों का एक खास समूह होता है, जो उजले से होते हैं। दरअसल ये बादलों का वह समूह होता है जो एक निश्चित तापमान और नमी पाते ही सक्रिय हो जाते हैं ।ऐसे बादलों के समूह का एक खास फोटो खींचा गया।

### 17 ट्रेनों में 76 यात्रियों को मिली वैकल्पिक सुविधा

**भोपाल।** पश्चिम मध्य रेलवे ने बीते एक साल में 17 ट्रेनों के 76 पीएनआर वाले यात्रियों को विकल्प सुविधा दी है। ये सुविधा प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों के लिए है। विकल्प एक ऐच्छिक सुविधा है। अगर यात्री यदि इस सुविधा को चुनते है, तो टिकट कन्फर्म न होने की स्थिति में बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के टिकट उसी गाड़ी में आगे की तिथि या अन्य गाड़ी में उपलब्ध खाली सीटों पर स्थानांतरित किए जा सकते हैं। यह स्थानांतरण सिस्टम स्वत : होती है। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि योजना के तहत यह सुविधा केवल ऑनलाइन बुक टिकटों पर ही उपलब्ध है।

### 15 दिन के लिए विशेष ट्रेनों के बढ़ाए फेरे

**भोपाल।** रेल प्रशासन ने गुना, शिवपुरी, बीना, रानी कमलापति, इटारसी के यात्रियों के लिए तीन विशेष ट्रेनों के फेरे बढ़ाए गए हैं। ये ट्रेनें 16 जुलाई से 1 सितंबर के लिए संचालित होगी। इनमें सफर करने वाली यात्रियों को लाभ मिलेगा। पश्चिम मध्य रेलवे के अनुसार 02199 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी- बांद्रा टर्मिनस एवं 02200 बांद्रा टर्मिनस-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी का संचालन 16 जुलाई से 29 अगस्त तक 7-7 अतिरिक्त फेरों के साथ होगा। इसी तरह 04155 सूबेदारगंज-उधना एवं 04156 उधना-सूबेदारगंज 16 जुलाई से 01 सितम्बर तक 14-14 अतिरिक्त फेरों के साथ ।

### बिजली कंपनी ने चौथी बार किया बदलाव

# ई- उपस्थिति के लिए 65 लाख में खरीदी मशीनें हुईं बेकार

**भोपाल (नगर संवाददाता)**

मप्र बिजली वितरण कंपनी ने 20 हजार बिजली कर्मियों की उपस्थिति की व्यवस्था में चौथी बार बदलाव किया है। अब उपस्थिति बायोमैट्रिक मशीनों की बजाय मोबाइल पर फिंगर प्रिंट के माध्यम से लगेगी। इसका बिजली कंपनी के आउटसोर्स कर्मचारी संगठन विरोध कर रहे हैं।

संगठन ने कहा कि कंपनी ने ई-उपस्थिति के लिए 65 लाख में जो सैकड़ों बायोमैट्रिक मशीनें खरीदी है, वे अब कबाड़ हो गई है। इन मशीनों का उपयोग करना चाहिए। कंपनी के आई.टी. सेल ने आदेश जारी किए बगैर मौखिक आदेश से 20 हजार कर्मचारियों को ई- उपस्थिति लगाने एक वर्ष से प्रयोग में लाए जा रहे इलेवन वर्जन वाले कई मोबाइलों को पुराना बता दिया है। इससे एक वर्ष पहले 9 एवं 10 वर्जन वाले मोबाइल को चलन से बाहर किए थे। आदेश में कहा गया कि अब 11 वर्जन वाले जिन मोबाइलों में फिंगर प्रिंट सत्यापन की सुविधा उपलब्ध होगी, उन्हीं से हाजिरी लगेगी। वरना हाजिरी एप ओपन नहीं होगा और वेतन कटौती होगी। इससे नियमित, संविदा व दस से तेरह हजार रुपए तक का छोटा मासिक वेतन पाने वाले बिजली कंपनी के आउटसोर्स कर्मियों नए मोबाइल खरीदने होंगे।

### टोकन मिलने पर ही मिलेगा उर्वरक

# प्रदेश में ई-विकास पोर्टल से बदल गई खाद वितरण व्यवस्था

- जून तक 7 लाख टन खाद बांटा, कालाबाजारी रोकने उठाया कदम

**भोपाल (नगर संवाददाता)**

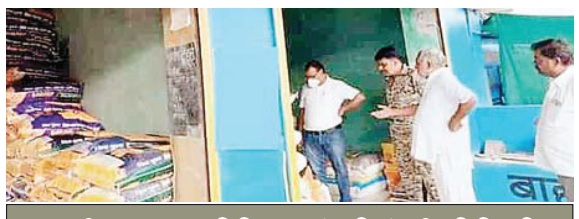

खरीफ सीजन में किसानों को खाद के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। प्रदेश सरकार ने उर्वरक वितरण व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल निगरानी में ला दिया है। नई व्यवस्था के तहत किसानों को ई-विकास पोर्टल से टोकन तभी जारी होगा, जब संबंधित वितरण केंद्र पर खाद उपलब्ध होगी। यानी अब टोकन मिलने के बाद किसानों को खाद मिलने की पूरी गारंटी रहेगी।

### खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने मंत्रियों की समिति गठित

दूसरी तरफ सरकार भी खाद की उपलब्धता को लेकर सतर्क है। किसानों को होने वाली समस्याओं का निराकरण किस तरह किया जाए, इसे लेकर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा, स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना और सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग की समिति बनाई है।

कृषि विभाग का दावा है कि डिजिटल टोकन प्रणाली लागू होने से वितरण केंद्रों पर अनावश्यक भीड़ कम होगी। कालाबाजारी पर अंकुश लगेगा। खाद वितरण से जुड़ी शिकायतों में भी कमी आएगी। इससे पूरी व्यवस्था अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनेगी।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि जून के अंत तक प्रदेश में किसानों को करीब 7 लाख टन उर्वरक वितरित किया जा चुका है। इसके अलावा 7.43 लाख टन उर्वरक का स्टॉक भी सुरक्षित रखा गया है, ताकि मांग बढ़ने पर आपूर्ति में कोई बाधा न आए। विभागीय अफसरों का कहना है कि चूंकि अभी समुचित बोवनी शुरू नहीं हुई है, इसलिए अभी खाद की मांग भी कम है। कृषि विभाग का दावा है कि डिजिटल टोकन व्यवस्था से अनावश्यक भीड़, कालाबाजारी और वितरण संबंधी शिकायतों पर अंकुश लगाने में मदद मिल रही है। खरीफ-2026 में प्रदेश में 14-15 लाख टन उर्वरकों की मांग का अनुमान है, जिसे देखते हुए तैयारी की जा रही है।

### प्रदेश में जून के अंत तक खाद वितरण

| उर्वरक | वितरण | स्टॉक |
|---|---|---|
| यूरिया | 3.70 लाख टन | 2.80 लाख टन |
| एनपीके/डीएपी | 2.27 लाख टन | 1.73 लाख टन |
| सिंगल सुपर फॉस्फेट (एसएसपी) | 0.80 लाख टन | 2.90 लाख टन |
| कुल | लगभग 7 लाख टन | 7.43 लाख टन |

### खरीफ 2026 की अनुमानित मांग

| | |
|---|---|
| कुल उर्वरक आवश्यकता | 14-15 लाख मीट्रिक टन |
| अब तक वितरण | करीब 7 लाख टन |
| उपलब्ध स्टॉक | 7.43 लाख टन |

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शॉप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल तथा ए-95 कस्तूरबा नगर भोपाल मप्र से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा। फोन: 7898826680